कोटद्वार, रविवार
6 अक्टूबर 2024
वर्षः 46
अंकः 158 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

राजस्व निरीक्षक ने 15 हजार की रिश्वत ली, गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि

पौड़ी। विजिलेंस ने राजस्व निरीक्षक कैलाश रवि को 15 हजार रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया।

शिकायतकर्ता ने शिकायत की थी कि पैतृक गाँव नौगाँव के खाता संख्या–20 के खातेदारों में अपने पिता के नाम दर्ज भूमि के सीमांकन और उसकी आख्या बनाने के एवज में पट्टी क्षेत्र अगरोड़ा के राजस्व निरीक्षक कैलाश रवि ने रिश्वत की मांग की थी। विजिलेंस ने पैडूल में राजस्व निरिक्षक को 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। विजिलेंस ने अभियुक्त के दून स्थित आवास की तलाशी ली।

रेल पटरी के किनारे मिला व्यापारी का शव

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वारः कौड़िया स्थित चौहान मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक का शव नजीबाबाद–कोटद्वार रेलवे ट्रैक पर रेलवे प्लेटफार्म से पहले पटरी के किनारे पड़ा मिला।

शनिवार सुबह रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस चौकी में पटरी के किनारे एक व्यक्ति के मृत पड़े होने की सूचना मिली। जिसके बाद रेलवे पुलिस चौकी प्रभारी सतीश घिल्डियाल मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में ले लिया। मृतक का शव रेल पटरी से करीब दो मीटर दूर पड़ा हुआ था। मृतक की शिनाख्त कौड़िया स्थित चौहान मोहल्ला निवासी जयचंद (56) पुत्र किशोरी लाल के रूप में हुई। चौकी प्रभारी सतीश घिल्डियाल ने स्वजनों से मिली जानकारी के आधार पर बताया कि जयचंद बीती रात रामलीला देखने आया था। लेकिन, सुबह तक घर वापस नहीं लौटा। बताया कि स्वजनों की ओर से फिलहाल कोई तहरीर नहीं दी गई है।

मुख्यमंत्री धामी आज रहेंगे अगस्त्यमुनि भ्रमण पर

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 06 अक्टूबर (रविवार) को जनपद भ्रमण पर रहेंगे। एक दिवसीय भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री अगस्त्यमुनि में जन संवाद एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित लखपति दीदी अभियान, शक्ति का सम्मान कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री 06 अक्टूबर (रविवार) को प्रातः 11:45 बजे देहरादून से हैलीकॉप्टर के माध्यम से प्रस्थान कर 12:30 बजे अगस्त्यमुनि हैलीपैड़ पहुंचेंगे। अगस्त्यमुनि क्रीड़ा मैदान में 12:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक जन संवाद एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित लखपति दीदी अभियान, शक्ति का सम्मान कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम के समापन के पश्चात् दोपहर 2:45 बजे मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर के माध्यम से जीटीसी हैलीपैड़ देहरादून के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री के उपरोक्त कार्यक्रम के दृष्टिगत जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में जनपद स्तरीय अधिकारियों को मुख्यमंत्री के आगमन से विदाई तक सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा में दो आतंकी ढेर

कुपवाड़ा , जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा से बड़ी खबर सामने आ रही है। जिले में एलओसी के साथ सटे गुगलडारा इलाके में आज सुबह घुसपैठ का प्रयास कर रहे आतंकियों और सुरक्षाबलों बीच मुठभेड़ में दो आंतकी ढेर हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक इलाके में तीन से चार आतंकी होने की आशंका है। इलाके में सेना का सर्च अभियान जारी है।

भारतीय सेना ने कहा कि सुरक्षाबलों ने जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सैनिकों ने गुगलधार में संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों को चुनौती दी, जिसके बाद गोलीबारी हुई। ऑपरेशन अभी भी जारी है और इसका नेतृत्व जम्मू–कश्मीर पुलिस और सेना की संयुक्त टीम कर रही है।

उत्तराखंड को देवों की भूमि कहा जाता है, जहां कण—कण में शंकर का वास है-सीएम

●सीएम धामी ने किया राजस्थान के माउंट आबू स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्विद्यालय द्वारा आयोजित "ग्लोबल समिट–2024"में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को राजस्थान के माउंट आबू स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्विद्यालय द्वारा आयोजित "ग्लोबल समिट–2024"में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने वैश्विक सम्मेलन में उपस्थित सभी विद्वान जनों का स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को देवों की भूमि कहा जाता है, जहां कण–कण में शंकर का वास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा राज्य एक ओर जहां प्राकृतिक रूप से सुरम्य है वहीं आध्यात्मिक रूप से विशिष्ट भी है। विश्व के कोने–कोने से लोग देवभूमि उत्तराखंड में आकर स्वयं की खोज करते हैं। स्वयं को साधना में लगाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग उन्हें पूछते हैं कि देवभूमि में कितने देवस्थान हैं या कितने प्रसिद्ध स्थान हैं तो मेरा एक ही उत्तर होता है कि देवभूमि में जिधर भी आपकी नजर जाएगी वो हर स्थान देवों का है। हर स्थान हमारा पर्वतों, वनों से आच्छादित है, हर स्थान हिम ग्लेशियर, नदियों से आच्छादित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी देवभूमि से आकर आप सबके बीच आकर आप सबके कार्यक्रम से जुड़ना, आप सबके बीच आने का जो सुअवसर प्राप्त हुआ यह उनके लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे स्थान पर वही आ पाता है जिन पर बाबा की कृपा होगी। इसीलिए सब लोग यहां पर पहुँचे हैं।

उन्होंने कहा कि आज मैं भी एक जिज्ञासु बनकर आया हूँ, मुझे अपने भीतर भी एक आत्मिक शांति का एहसास हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे कई वर्षों से प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज के कार्यक्रमों में आते रहे हैं। बहुत बार संस्थान के लोग माउंट आबू आने के लिए कहते थे। मन में आने की बहुत इच्छा भी रही। इसके पीछे का कारण परमपिता परमात्मा का असीम आशीर्वाद भी है और इस स्थान की महत्ता भी है और राज योगिनी दीदी मां रतन मोहिनी से जो स्नेह यहां मिलता है वह भी इसका बड़ा कारण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबके लिए यह गर्व का विषय है कि संयुक्त राष्ट्र के साथ ही परामर्शदात्री दर्जा प्राप्त भारत की भूमि से उपजा हुआ यह स्थान विश्व के कोने–कोने में आज शांति, सद्भाव और मानवता का संदेश देने का कार्य कर रहा है। सच में लोगों को स्वयं को खोजने का एक बहुत बड़ा प्रकल्प चल रहा है। मैं आज यहां स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण में आद्यात्मिक की महत्वपूर्ण भूमिका को ही समझने के लिए ही आया हूँ कि कैसे इन मूल्यों को हम अपने जीवन में उतार सकते हैं ताकि सभी के लिए एक बेहतर समाज का निर्माण हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम भारतीय जीवन दर्शन का सार है। परस्पर भाईचारे का संदेश आज भी प्रासंगिक है। जिस प्रकार से नई तकनीक हमें भौतिक सुख प्रदान करती है वैसे ही आध्यात्मिकता हमें आंतरिक सुख प्रदान करती है। हमारे शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य पूर्ण संतुलन बनाने का काम करती है। पूरे विश्व के अंदर यह संस्था करोड़ो लोगों के जीवन में बदलाव लाने का काम कर रहा है। ब्रह्कुमारीज संस्था से जुड़ी बहने और भाइयों द्वारा जीवन जीने की कल बहुत ही सरल शब्दों में लोगों को समझाया जाता है, उससे आमजनमानस में भी आसानी से इन विषयों को जानकर लोग अपने जीवन को सरल बना सकते हैं। इस प्रकार के जो बदलाव हैं, इनको मैंने अपने जीवन में महसूस किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम आध्यात्मिकता को अस्तित्व के एक भागीदार के रूप में देखने लगते हैं तो हमारा मन स्वतः ही स्वच्छ होने लगता है। हमे अहसास होता है कि यह हमारे जीवन की आवश्यकता नहीं है बल्कि जीवन की अनिवार्यता है। आध्यात्मिकता की वह शक्ति है जो शरीर को बाहरी व अंदरूनी रूप से स्वच्छ रखने के साथ साथ मानसिक और शारीरिक दबावों को सहने के सामर्थ्य प्रदान करती है। स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण केवल आधुनिक तरीके व कानूनों से भी संभव नहीं है कि केवल हम कानून व अन्य तरह से इसको कर पाएं बल्कि इस लक्ष्य को जीवन में आध्यात्मिक मूल्यों को शामिल करके ही हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर भारत सरकार के रेल एवं फूड प्रोसेसिंग मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, उत्तराखंड से राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट,गोरखपुर के सांसद रवि किशन आदि उपस्थित रहे।

पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किश्त जारी

◆ उत्तराखंड के 7.98 लाख पात्र लाभार्थी किसानों को 169 करोड़ रुपए की धनराशि भी खातों में पहुंच

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र से ह्यपीएम किसान सम्मान निधिह्न की 18वीं किश्त जारी कर दी। इसके माध्यम से उत्तराखंड के 7.98 लाख पात्र लाभार्थी किसानों को 169 करोड़ रुपए की धनराशि भी खातों में पहुंच गई। पीएम मोदी ने 9.40 करोड़ से अधिक किसानों को 20 हज़ार करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान राशि उनके खातों में डीजीटली ट्रांसफर किया। इस किसान सम्मान कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने भी वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया। जिसमें प्रदेश के 7,98,038 लाभार्थी किसान परिवारों को 18वीं किस्त डीबीटी के माध्यम से धनराशि 169.04 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। अब तक योजना की 17 किश्तों में प्रदेश के किसानों को 2757.20 करोड़ धनराशि उपलब्ध कराई गई है। देहरादून के हाथीबड़कला में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में किसानों ने भी प्रतिभाग किया और प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और मंत्री जोशी का आभार जताया। जोशी ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी किसानों की हमेशा चिंता करते हैं। उन्होने कहा कि तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर प्रधानमंत्री मोदी का पहला निर्णय किसान के हितों के लिए किया और पहली केंद्रीय कैबिनेट में किसान सम्मान निधि के लिए हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रतीक है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की कितनी चिंता करते है। उन्होंने कहा कि मोदी के कुशल मार्गदर्शन और उनके पद चिन्हों पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय दुगनी करने की दिशा में कई जनकल्याणकारी योजनाएं और अभिनव पहल कर किसान भाइयों की आजीविका बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम–किसान योजना के माध्यम से किसानों की आय दुगनी और नई तकनीकी से छोटे छोटे किसानों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार किसान कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य किसानों को उनकी निवेश संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिये एक आर्थिक आधार प्रदान करना है। ताकि वे फसल उत्पादन में नवीन तकनीक और गुणवत्तापूर्ण बीजों का प्रयोग कर उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकें। कृषि मंत्री ने कहा कि योजना के माध्यम से लघु एवं सीमांत किसानों को साहूकारों के साथ अनौपचारिक ऋणदाता के चंगुल से बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में 11 करोड़ से अधिक किसानों ने पीएम किसान योजना का लाभ प्राप्त किया है, जो इसकी व्यापक पहुँच और प्रभाव को दर्शाता है।

संभागीय परिवहन सचल दल ने रैटल स्कूटी के दस्तावेज खंगाले

देहरादून। संभागीय परिवहन विभाग ने मसूरी के विभिन्न क्षेत्रों में रेंटल बाइक स्कूटी कार्यालयों पर जाकर दस्तावेज खंगाले। इस दौरान विभिन्न अनियमितताएं पाए जाने पर उनकी रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। वहीं, मसूरी टैक्सी कार ऑनर एसोसिएशन का कहना है कि टैक्सी स्कूटी उन्हीं स्थानों से चलायी जाए जहां से उनका लाइसेंस बना है।

संभागीय परिवहन सचल दल की कर अधिकारी अनुराधा पंत ने मसूरी आकर लंढौर बाजार, पिक्चर पैलेस, लाइब्रेरी क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान रेंटल स्कूटी बाइक संचालकों में हड़कंप मच गया। परिवहन कर अधिकारी ने मौके पर लाइसेंस सहित विभिन्न दस्तावेजों को खंगाला व पार्किंग के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने टैक्सी स्कूटी संचालकों के कार्यालयों में अनियमितता पाए जाने पर जांच रिपोर्ट बनाई जिसे उच्चाधिकारियों को भेजा जायेगा ताकि उन पर कार्रवाई हो सके। अनुराधा पंत ने बताया कि कई स्थानों पर अनियमितताएं पाई गई है जिनके खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। वही दूसरी ओर टैक्सी कार एसोसिएशन के महामंत्री सुंदर सिंह पंवार का कहना है कि रैंटल स्कूटी बाइक वही से चलनी चाहिए जहां से इनका लाइसेंस है, अगर आगे भी रोड पर खडी होंगी तो एसोसिएशन उनके खिलाफ आंदोलन करेगा।

भारत—पाक रिश्तों पर वार्ता के लिए नहीं, एससीओ बैठक के लिए जा रहा हूं इस्लामाबाद : जयशंकर

नई दिल्ली , विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जाने वाले हैं। उन्होंने पड़ोसी देश की अपनी आगामी यात्रा के दौरान भारत–पाकिस्तान के बीच किसी वार्ता की संभावना से इनकार किया है। जयशंकर ने माना कि दोनों देशों के बीच संबंधों की प्रकृति को देखते हुए उनकी पाकिस्तान यात्रा पर मीडिया का खासा ध्यान रहेगा लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दौरा किसी बातचीत के लिए नहीं हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि लगभग एक दशक में यह पहली बार है कि देश के विदेश मंत्री पाकिस्तान का दौरा करेंगे। दोनों देशों के बीच संबंध खास तनावपूर्ण रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण पाकिस्तानी धरती से संचालित होने वाली आतंकी गतिविधियां हैं। विदेश मंत्री ने कहा, यह (यात्रा) एक बहुपक्षीय कार्यक्रम के लिए होगी। मैं वहां भारत–पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा करने नहीं जा रहा हूं। मैं एससीओ के एक अच्छे सदस्य के रूप में वहां जा रहा हूं। आप जानते हैं, मैं एक विनम्र और सभ्य व्यक्ति हूं, इसलिए उसी के अनुसार व्यवहार करूंगा। पाकिस्तान 15 और 16 अक्टूबर को एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की बैठक की मेजबानी कर रहा है। अपनी यात्रा के बारे में विस्तार से बताते हुए जयशंकर कहा, मैं इस महीने पाकिस्तान जाने वाला हूं। यह यात्रा एससीओ शासनाध्यक्षों की मीटिंग के लिए है। आम तौर पर, राष्ट्राध्यक्षों के साथ उच्च स्तरीय बैठक के लिए प्रधानमंत्री जाते हैं। इस साल यह मीटिंग इस्लामाबाद में हो रही है क्योंकि पाकिस्तान ग्रुप का एक नया सदस्य है।

आईसी सेंटर फॉर गवर्नेंस द्वारा आयोजित सरदार पटेल व्याख्यान में जयशंकर ने पाकिस्तान पर उसकी आतंकी गतिविधियों को लेकर परोक्ष हमला भी किया। विदेश मंत्री ने कहा, आतंकवाद एक ऐसी चीज है जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। हमारे एक पड़ोसी ने आतंकवाद का समर्थन करना जारी रखा है। इस क्षेत्र में यह हमेशा नहीं चल सकता। यही कारण है कि हाल के वर्षों में सार्क की बैठकें नहीं हुई हैं।ह्न जयशंकर ने आगे कहा, हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि क्षेत्रीय गतिविधियां बंद हो गई हैं।

बुलंदशहर में पुलिस टीम पर पथराव

बुलंदशहर ,उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में पुलिस टीम पर पथराव करने की घटना ने इलाके में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मेरठ जोन के आईजी नचिकेता झा ने घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का निरीक्षण किया। आईजी नचिकेता झा ने घटना स्थल से मस्जिद तक गश्त करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उनके साथ एसएसपी श्लोक कुमार समेत पुलिस के तमाम अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने पुलिस बल को ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए। आईजी नचिकेता झा ने यह स्पष्ट कर दिया कि इस तरह की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। पथराव की यह घटना सिकंदराबाद क्षेत्र में हुई, जहां समुदाय विशेष के कुछ अराजक तत्वों ने पुलिस की टीम पर पथराव किया। इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और संदिग्धों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी गई। पुलिस–प्रशासन स्थानीय लोगों से भी शांति बनाए रखने की अपील कर रहे हैं, ताकि स्थिति पर पूरी तरह से नियंत्रण पाया जा सके।

बस मार्शलों को लेकर हाई—वोल्टेज ड्रामा

बीजेपी नेता की गाड़ी में बैठी सीएम आतिशी

सौरभ भारद्वाज ने पकड़ लिए पैर

नई दिल्ली ,। बस मार्शलों की बहाली के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा विधायक एलजी ऑफिस पहुंचे। इस दौरान उनके साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भी थीं। एलजी ऑफिस जाने के दौरान का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में सीएम आतिशी, भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता की गाड़ी में जाकर बैठ गईं। इस दौरान विजेंद्र गुप्ता दूसरी गाड़ी के लिए आगे बढ़ गए। दरअसल, बस मार्शलों के मुद्दे पर आज दिल्ली सचिवालय में सीएम आतिशी ने बैठक बुलाई, जिसमें बीजेपी के विधायक, दिल्ली सरकार के मंत्री और कुछ बस मार्शल भी शामिल हुए। इस दौरान सीएम आतिशी ने प्रस्ताव रखा कि अभी सभी मिलकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना के पास चलते हैं। वहीं, सीएम आतिशी ने कहा कि मार्शल चाहते हैं कि हम सभी मिलकर अभी उपराज्यपाल के पास चलेंगे। उन्होंने कहा कि कैबिनेट यहीं मौजूद है यहीं पर साइन होंगे, लेकिन बीजेपी विधायकों ने उपराज्यपाल निवास जाने से इनकार कर दिया।

सौरभ भारद्वाज ने पकड़ लिए पैर

आम आदमी पार्टी के विधायकों के साथ ही दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने विजेंद्र गुप्ता को घेर रखा था। इस दौरान सभी उनसे गाड़ी में बैठने के लिए विनती कर रहे थे। विनती करने के दौरान विजेंद्र गुप्ता हंसते हुए आगे बढ़े तो सौरभ भारद्वाज ने कहा कि गुप्ता जी भाग रहे हैं। इतना सुनने के बाद विजेंद्र गुप्ता फिर से कार के पास पहुंचे तो आम आदमी पार्टी के नेताओं ने उनसे गाड़ी में बैठने और साथ चलने के लिए विनती करते हुए उनके सामने हाथ जोड़ लिए।

नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की आराधना में डूबे भक्त

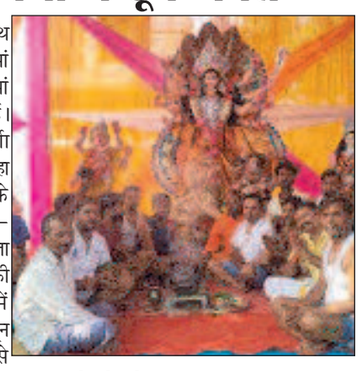

देहरादून। श्री पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर में शनिवार को मां भगवती के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा अर्चना की गई। पंडित आशीष उनियाल ने श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हुए कहा कि जगत जननी मां की पूजा के साथ ही जो भक्त अपनी जन्म–जननी मां की पूजा अर्चना करता है। उसे ही जगत जननी मां की कृपा प्राप्त होती है। सांय काल में संजू म्यूजिकल ग्रुप पार्टी देहरादून द्वारा मां की महिमा के एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए गए। उन्होंने सारा संसार झुके तेरे दरबार.., मेरी खाली झोली भर दी रे, मुझे इतना दिया मेरी माता.., शक्ति दे मां भक्ति दे.. के साथ ही जब मेला मैया का लगदा है एक बार.. गाया तो सभी भक्तजन अपने–अपने स्थान पर खड़े होकर नृत्य करने लगे। अंत में सभी को पंचमेवा प्रसाद वितरित किया गया।

वैष्णों मंदिर में दुर्गा सप्तशती का पाठ

माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर में आयोजित विशेष शारदीय नवरात्रि पूजा अनुष्ठान के तीसरे दिन शनिवार को माता वैष्णो देवी जी की विशेष पूजा अर्चना के साथ दुर्गा सप्तशती पाठ किया गया।

सरकार ने दी ट्रेनिंग-राफ्टिंग कराने के लिए तैयार हैं बेटियां

◆ 14 महिलाओं ने इसी साल हासिल किया व्हाइट वॉटर रिवर राफ्टिंग गाइड सर्टिफिकेट◆ तीन महीने के प्रशिक्षण के बाद अब गंगा की लहरों पर कराएंगी पर्यटकों को सैर

देहरादून। उत्तराखण्ड की बेटियां जल्द ही ऋषिकेश में गंगा नदी पर पर्यटकों को राफ्टिंग कराती नजर आएंगी। इसके लिए पर्यटन विभाग की ओर से 14 महिलाओं को व्हाइट वॉटर रिवर राफ्टिंग गाइड का प्रशिक्षण दिया गया है। जो अब पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद, बतौर प्रोफेशनल राफ्टिंग गाईड अपना करियर शुरू करने को तैयार हैं।

ऋषिकेश हाल के समय में राफ्टिंग के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है, यहां हर साल पांच लाख से अधिक पयर्टक राफ्टिंग के लिए आ रहे हैं, इस तरह राफ्टिंग गतिविधि, कारोबार के साथ ही रोजगार का भी जरिया बन रही है। लेकिन अब तक राफ्टिंग गाइड का काम पूरी तरह पुरुष ही कर रहे थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर पहली बार उत्तराखंड पर्यटन विभाग ने महिलाओं को रिवर राफ्टिंग गाइड का प्रशिक्षण दिया है। इसके बाद पर्यटन विभाग ने चुनिंदा 14 महिलाओं को अप्रैल से जून के बीच तीन महीने का निशुल्क प्रशिक्षण दिया। इसमें प्रशिक्षण के साथ ही रहने खाने का खर्च भी पर्यटन विभाग की ओर से उठाया गया।

सफलता की कहानी

1– पौड़ी जिले में सिरांसू गांव निवासी प्रियंका राणा, वर्तमान में बीबीए कर रही हैं, प्रियंका क्याकिंग एथलीट हैं।

प्रियंका बताती हैं कि उनके गांव के पास बड़ी संख्या में राफ्टिंग होती है, ऐस में जब उन्हे उत्तराखंड सरकार के अधीन महिलाओं को राफ्टिंग गार्डड का प्रशिक्षण दिए जाने की जानकारी मिली तो उन्होंने इसमें अपना पंजीकरण कर लिया। प्रियंका इसके लिए पुष्कर सिंह धामी सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि अब बतौर राफ्टिंग गाइड अपना करियर बनाना चाहती हैं।

2– रामनगर निवासी कामाक्षी गोयल वर्तमान में गोवा की नॉटिकल कंपनी में काम कर रही हैं। कामाक्षी बताती हैं कि वो पहले से ही वाइट वॉटर फील्ड में जॉब कर रही थी, इसलिए उन्होंने स्किल बढ़ाने के लिए राफ्टिंग प्रशिक्षण लिया। इसके लिए उत्तराखण्ड सरकार की ओर से तीन महीने का प्रशिक्षण के साथ ही रहने खाने की सुविधा निशुल्क मिली। कामाक्षी इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा प्रयास करार दे रही हैं।

3– ऋषिकेश निवासी मुस्कान भी पहले बैच में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं। मुस्कान अभी ऋषिकेश से ग्रैज्यूएशन कर रही हैं, मुस्कान बताती हैं कि तीन महीने तक उन्हें विदेशी प्रशिक्षकों ने रिवर राफ्टिंग की ट्रेनिंग दी, इस दौरान एक हफ्ते तक उन्होंने देवप्रयाग से लेकर ऋषिकेश तक गंगा में राफ्टिंग भी की, पूरी तरह महिलाओं के द्वारा संचालित यह अभियान लाजवाब था, मुस्कान अब इसी क्षेत्र में करियर बढ़ाना चाहती हैं, वो इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त कर रही हैं।

क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं

उत्तराखण्ड में साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं, अब बड़ी संख्या में महिला पयर्टक भी राफ्टिंग के लिए आ रही हैं। ऐसे में महिलाओं को बतौर राफ्ट गाईड प्रशिक्षण दिया जाने का प्रयास किया जा रहा है। अच्छी बात है कि महिलाओं ने इसके लिए रुचि दिखाई है, यह उत्तराखण्ड की बेटियों और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगा।

तभी सफलता की उम्मीद

भारत डोगरा

धरती पर लाखों वषी से लाखों तरह के जीवन रूप फलते–फूलते रहे हैं। यह इस कारण संभव है क्योंकि धरती पर इतने विविध जीवन को पनपाने वाली विशिष्ट स्थितियां मौजूद हैं जैसे कि सूर्य का प्रकाश और ऊष्मा, पर्याप्त मात्रा में जल, वायुमंडल में विभिन्न गैसों की विशेष अनुपात में उपस्थिति आदि।हालांकि धरती पर समय–समय पर बड़ी उथल–पुथल हुई है, जैसे कि वह भारी उथल–पुथल जिसके कारण डायनोसोर लुप्त हुए, पर यह कभी धरती के किसी जीवन–रूप की कार्यवाहियों के कारण नहीं हुई।बीसवीं शताब्दी में पहली बार ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई कि धरती के किसी जीवन–रूप (मनुष्य) की कार्यवाहियों से धरती की जीवन–रक्षक स्थितियां खतरे में पड़ी हों। यह स्थिति सर्वप्रथम 1945 में परमाणु बम गिराने से आरंभ हुई। उसके बाद तो परमाणु हथियारों के साथ अनेक अन्य महाविनाशक हथियारों की एक दौड़ ही आरंभ हो गई। इस समय 9 देशों के पास 12500 से अधिक परमाणु हथियार हैं। यदि कभी इनमें से मात्र 5 से 10 प्रतिशत का वास्तव में उपयोग हो गया, तो पूरी धरती का जीवन नष्ट हो सकता है। रासायनिक और जैविक हथियारों पर विश्व में अनेक वषी से प्रतिबंध लगा हुआ है पर समय–समय पर संकेत मिलते रहते हैं कि चोरी–छिपे इन पर अनुसंधान जारी हैं।इसके अतिरिक्त अनेक वैज्ञानिकों ने यह चेतावनी भी दी है कि अनेक तरह के संदिग्ध माने जाने वाले जैव अनुसंधान (जैसे गेन ऑफ फंक्शन रिसर्च) से ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं, जो जैविक हथियारों के उपयोग जितनी ही खतरनाक हैं (जैसे कि प्राकृतिक स्थिति में जो वायरस हैं उनसे अधिक खतरनाक वायरस का प्रसार)। चाहे यह प्रयोगशालाओं में किसी दुर्घटना के कारण ही हो, पर इसका असर जैविक हथियार के उपयोग जितना ही खतरनाक है।अंतरिक्ष के सैन्यकरण की ओर हाल के वषी में जो कदम बढ़ाए गए हैं, वे भी उतने ही खतरनाक हैं जितना कि महाविनाशक हथियारों का प्रसार है। खतरनाक हथियारों में जिस तरह एआई या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा रहा है, वह अनेक नई खतरनाक संभावनाओं को उत्पन्न करता है जिसके बारे में अनेक वरिष्ठ वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं। वर्ष 1945 के बाद के लगभग आठ दशकों में महाविनाशक हथियारों का यह खतरा बढ़ता ही गया है। इसके साथ–साथ अनेक पर्यावरणीय समस्याएं भी यह रूप ले रही हैं कि उनसे धरती की जीवन रक्षक स्थितियां खतरे में पड़ जाएं। इनमें सबसे चर्चित समस्या जलवायु बदलाव की है पर इसके साथ लगभग दर्जन भर अन्य गंभीर पर्यावरणीय समस्याएं भी हैं जो कई स्तरों पर आपस में जुड़ी हुई भी हैं।

इन बढ़ते खतरों के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय और नेतृत्व की ओर से कोई ऐसा बड़ा प्रयास नहीं हो सका है, जो असरदार ढंग से धरती की जीवनदायिनी क्षमता को क्षतिग्रस्त करने वाले इस बहुपक्षीय संकट का सामना करने का और इसे समय रहते सुधारने का विश्वास उत्पन्न कर सके। वास्तव में यह मौजूदा विश्व व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता है। इससे महत्त्वपूर्ण भला और क्या हो सकता है कि धरती की जीवनदायिनी क्षमताओं को बचा कर रखा जाए? पर इसे अभी तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकता के रूप में नहीं अपना सका है।

यह सच है कि जलवायु बदलाव पर चर्चा बहुत हुई है, पर इससे जुड़े वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने कई बार बताया है कि जिन लक्ष्यों को प्राप्त करना जरूरी है, उनसे अभी हम बहुत दूर हैं। फिर जलवायु बदलाव कोई एकमात्र ऐसी गंभीर पर्यावरणीय समस्या तो है नहीं जो धरती की जीवनदायिनी स्थिति को प्रभावित करती है। ऐसी अनेक समस्याएं हैं और वे भी विकट हो रही हैं। हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि ग्रीनहाउस गैसों की वृद्धि के अपने ह्यटिपिंग प्वॉइंटह्न भी हैं और इस सीमा–रेखा के बाहर जाने पर समस्या तेजी से नियंत्रण से बाहर जा सकती है।जहां तक महाविनाशक हथियारों की दौड़ और होड़ का सवाल है तो इसे नियंत्रित करने के लिए पहले कई समझौते हुए जिनमें से अनेक अब रद्द हो चुके हैं, या इनका सीमा काल समाप्त होने के बाद इनका नवीनीकरण नहीं हुआ है। इसके अतिरिक्त इन महाविनाशक हथियारों को अपने टारगेट तक पहुंचाने की अधिक से अधिक तेज क्षमता यानी कम से कम समय में विध्वंस करने की क्षमता भी बढ़ती जा रही है। जब चंद मिनटों में महाविनाश करने की क्षमता ही जाए तो फिर इसे समय पर रोक पाने की या भूल–सुधार की क्षमता अपने आप न्यूनतम हो जाती है। ऐसे में यह संभावना भी बढ़ जाती है कि एक–दूसरे की आक्रमकता की गलत पहचान के आधार पर ही कोई बड़ा विनाश हो जाए।इन सब संभावनाओं और स्थितियों को देखते हुए हम संक्षेप में कह सकते हैं कि धरती की जीवनदायिनी क्षमताओं के संकट के तीन पक्ष हैं। एक, 12500 के आसपास परमाणु हथियार एकत्र होने के साथ अनेक महाविनाशक हथियारों और अंतरिक्ष के सैन्यकरण में बढ़ावा. और दूसरा, जलवायु बदलाव सहित लगभग दर्जन भर गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं की उपस्थिति। इन दोनों समस्याओं के समय रहते संतोषजनक समाधान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय, नेतृत्व और संस्थानों की अभी तक की विफलता। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अनेक महत्त्वपूर्ण प्रयासों की जरूरत है।

समाधानों की दिशा में निम्न महत्त्वपूर्ण कदमों पर गंभीर विचार होना चाहिए। एक मुख्य पहल तो यह होनी चाहिए कि अगले दशक को विश्व स्तर पर धरती की रक्षा के दशक में स्वीकृति मिलनी चाहिए। इस दशक को इस रूप में अपनाया जाना चाहिए कि इस दौरान धरती की जीवन–रक्षक स्थितियों को उच्चतम प्राथमिकता दी जाएगी तथा इस प्राथमिकता के अंतर्गत बहुत से महत्तपूर्ण कार्य किए जाएंगे। अगले दशक को ऐसी मान्यता विश्व स्तर पर प्रदान करवाने के लिए एक अभियान इस लेखक ने भी वषी से आरंभ किया हुआ है।दूसरा महत्त्वपूर्ण कदम यह हो सकता है कि इस उच्च प्राथमिकता को समग्र रूप में आगे ले जाने के लिए एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थान की स्थापना की जाए। इस समय इस समस्या के विभिन्न पक्षों पर कुछ संस्थान कार्य कर रहे हैं जैसे कि जलवायु बदलाव पर, समुद्रों का पर्यावरण बचाने पर, अंतरिक्ष के सैन्यकरण को रोकने पर और महाविनाशक हथियारों के प्रसार को रोकने पर।अब जरूरत यह है कि ऐसे सभी पक्षों पर समग्र रूप से कार्य करना और इसके लिए प्रतिबद्ध एक महत्त्वपूर्ण संस्थान की विश्व स्तर पर जरूरत है।

टेंशन लेने का नहीं–देने का

रजनीश कपूर

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर पुणे की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐना सेबेस्टियन की माँ की चि्ठी काफ़ी चर्चा में रही। भारत में इस कंपनी के अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में ऐना की माँ ने इस बात का उल्लेख किया कि किस तरह उनकी पुत्री पर कंपनी ने काम का दबाव बनाया हुआ था। मात्र चार महीने की नौकरी में यह दबाव इतना बढ़ गया कि इस दबाव ने ऐना की जान ले ली। इस दबाव का एक स्पष्ट उदाहरण तब भी दिखा जब ऐना के अंतिम संस्कार में कंपनी में काम करने वाले सहकर्मी भी नहीं पहुँचे। जैसे ही ऐना की माँ का यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, वैसे ही इस बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम कर चुके पूर्व कर्मचारियों ने अपने भयानक अनुभव भी साझा किए। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा वैसे ही कंपनी की ओर से वर्क प्रेशर का खंडन किया गया। इसके साथ ही सरकार ने भी इस मामले में जाँच बैठा दी है।

मुन्ना भाई एमबीबीएस का एक डायलॉग काफ़ी हिट हुआ था जिसमें वो हर किसी को न घबराने की सलाह देते हुए कहते थे टेंशन लेने का नहीं–देने काह्न। एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐना मात्र चार महीने की नौकरी में यह दबाव इतना बढ़ गया कि इस दबाव ने ऐना की जान ले ली।ज् हर युवा व वरिष्ठ कर्मचारी को मुन्ना भाई एमबीबीएसह्न फ़िल्म से सीख लेते हुए टेंशन न लेनेह्न की आदत डाल लेनी चाहिए।

संजय दत्त की बहुचर्चित फ़िल्म मुन्ना भाई एमबीबीएसह्न का एक डायलॉग काफ़ी हिट हुआ था जिसमें वो हर किसी को न घबराने की सलाह देते हुए कहते थे टेंशन लेने का नहीं–देने काह्न। परंतु शायद उस फ़िल्म में दिये गये संदेश को कुछ लोग गंभीरता से नहीं ले सके। इसीलिए वे मामूली से तनाव को इतना बढ़ा लेते हैं कि वह कभी–कभी जानलेवा भी साबित हो जाता है। इस फ़िल्म ने कठिन परिस्थितियों को गंभीरता से न लेने की सलाह दी। परंतु आजकल के वर्क प्रेशर व प्रतिस्पर्धा के चलते हर दूसरा व्यक्ति तनाव में दिखाई देता है। इस तनाव का असर न सिर्फ़ उसकी सेहत पर पढ़ता है बल्कि उसके पारिवारिक जीवन में भी तनाव पैदा हो जाता है।

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर पुणे की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐना सेबेस्टियन की माँ की चि्ठी काफ़ी चर्चा में रही। भारत में इस कंपनी के अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में ऐना की माँ ने इस बात का उल्लेख किया कि किस तरह उनकी पुत्री पर कंपनी ने काम का दबाव बनाया हुआ था।

मात्र चार महीने की नौकरी में यह दबाव इतना बढ़ गया कि इस दबाव ने ऐना की जान ले ली। इस दबाव का एक स्पष्ट उदाहरण तब भी दिखा जब ऐना के अंतिम संस्कार में कंपनी में काम करने वाले सहकर्मी भी नहीं पहुँचे। जैसे ही ऐना की माँ का यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, वैसे ही इस बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम कर चुके पूर्व कर्मचारियों ने अपने भयानक अनुभव भी साझा किए। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा वैसे ही कंपनी की ओर से वर्क प्रेशरह्न का खंडन किया गया। इसके साथ ही सरकार ने भी इस मामले में जाँच बैठा दी है।

ऐना की मृत्यु ने आज के कॉर्पोरेट जगत में कई सवाल खड़े कर दिये हैं। इस दुखद घटना के बाद कई तरह की प्रतिक्रियाएँ भी आ रही हैं। दरअसल वर्क प्रेशर के बढ़ते हुए तनाव के कारण दुनिया भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहां प्रतिस्पर्धा की दौड़ में आगे रहने के चलते कई लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। चीन में एक व्यक्ति ने लगातार 104 दिनों तक बिना किसी छुट्टी के काम किया और अंततः शरीर के कई अंगों की विफलता के कारण उसकी मौत हुई। वहाँ की अदालत ने उस व्यक्ति की कंपनी को उसकी मौत का 20 प्रतिशत तक ज़िम्मेदार ठहराया। वहीं अमरीका के एक बैंक कर्मचारी की मृत्यु का कारण भी उसके काम का दबाव ही बना। ऐसे अनेकों उदाहरण हैं जहां कर्मचारियों से अधिक काम करवाने के चलते ऐसे हादसे हो रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आँकड़ों के अनुसार दुनिया भर में काम के दबाव व तनाव के चलते प्रतिवर्ष क़रीब 7.50 लाख लोगों की मृत्यु होती है। ऐसा इसलिए होता है कि अधिक काम करने का सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। काम का तनाव लेने से मनुष्य में ह्रदय रोग, डायबिटीज़ व स्ट्रोक जैसी घातक बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। इतना ही नहीं आज के सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में जब हम घंटों कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम करते हैं तो हमारे जोड़ो में जकडन्, कमर में दर्द, सरदर्द, आँखों में थकान, जैसे प्रारंभिक लक्षण भी दिखाई देते हैं। तनाव के चलते हमारे शरीर में ऐसे रसायन पैदा हो जाते हैं जो रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल को भी बढ़ा देते हैं। इसलिए हम चिड़चिड़े भी हो जाते हैं।

तनाव के चलते जब गाड़ी चलाकर हम अपने दफ़्तर से घर या घर से दफ़्तर जा रहे होते हैं तो ऐसे में दुर्घटना होने की संभावना भी बढ़ जाती है। मोबाइल फ़ोन और ईमेल के चलते हम हर समय अपने काम से जुड़े रहते हैं इसलिए हमें काम से आराम नहीं मिल पाता। ऐसे तनाव का सीधा अनुभव आपको उस समय होता होगा जब आपके मोबाइल पर आपके बॉस का फ़ोन बजता होगा। आप यदि अपने घर पर हों और परिवार के साथ समय बिता रहे हों, तभी आपके बॉस का फ़ोन बजे तो आपके चेहरे पर एक अजीब से तनाव की झलक मिल जाती है। ऐसे में पारिवारिक सुख को भी झटका लगता है।

जानकारों के अनुसार, सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करने वालों में तनाव बढने् की संभावना अधिक होती है। यह तनाव अन्य बीमारियों को बढ़ावा देता है। परंतु इसका मतलब यह नहीं है कि आपको कामयाब होने के लिए कम मेहनत करनी चाहिए। बिना मेहनत के किसी को कामयाबी नहीं मिलती। इसलिए हमें परिश्रम और अतिश्रम के बीच एक को चुनना चाहिए।

परिश्रम किया जाए तो एक सीमा के तहत ही किया जाए। आपको अपने शरीर की क्षमता अनुसार ही काम करना चाहिए। समय–समय पर अपने स्वास्थ्य की जाँच भी करवाते रहना चाहिए। इसके साथ ही नियमित रूप से तनाव–मुक्ति के कई साधन, जैसे योगा, ध्यान, भजन, मनोरंजन आदि का भी सहारा लेना चाहिए।

वहीं अगर इम्प्लॉयर की बात करें तो उन्हें भी अपने लक्ष्य की पूर्ति के चलते कर्मचारियों पर दबाव बनाना पड़ता है। परंतु यह दबाव भी एक सीमा तक ही दिया जाए।

आज हमारे समाज को काम और आराम के बीच एक संतुलन बनाने की ज़रूरत है। वरना ऐना सेबेस्टियन जैसे कई और होनहार कर्मचारियों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ेगा। आजकल के युवा भी जल्द कामयाबी पाने के चक्कर में काम और आराम में संतुलन नहीं बना रहे हैं। इसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसलिए हर युवा व वरिष्ठ कर्मचारी को मुन्ना भाई एमबीबीएसह्न फ़िल्म से सीख लेते हुए टेंशन न लेनेह्न की आदत डाल लेनी चाहिए।

विश्व शतरंज में भारत का दबदबा

शतरंज ओलम्पियाड में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारत ने स्वर्ण पदक जीत लिए, तो यह कोई संयोग नहीं है। बल्कि यह विश्व शतरंज में भारत की बनी ताकत का इज़हार है।शतरंज ओलम्पियाड में रविवार को भारत कामयाबी की जिस उंचाई पर पहुंचा, उचित ही उसकी तुलना 1983 में क्रिकेट विश्व कप में भारत के चैंपियन होने और ओलंपिक्स में 2008 में अभिनव बिंद्रा के भारत की ओर से पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने से की गई है। इस सफलता के साथ भारत की जो अन्य अभिनव उपलब्धियां याद आती हैं, उनमें 2021 में एथलेटिक्स में नीरज चोपड़ा का भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतना और 2022 में बैडमिंटन में पहली भारत का थॉमस कप जीतना शामिल है। वैसे इस सफलता का जिस उपलब्धि से सीधा संबंध है, वह साल 2000 में विश्वनाथन आनंद का विश्व शतरंज विजेता होना है। सीधा संबंध इसलिए क्योंकि आनंद की कामयाबी तब से भारत के तमाम शतरंज खिलाडिय़ों के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है। उसके बाद शतरंज की ऐसी संस्कृति बनी और भारत में शतरंज प्रतिभाओं का ऐसा विस्फोट हुआ कि 2010 आते–आते देश के 23 खिलाड़ी ग्रैंड मास्टर बन गए।आज ये संख्या 80 से ज्यादा हो चुकी है। पांच खिलाडिय़ों को सुपर ग्रैंड मास्टरह्न का दर्जा मिला हुआ है। 25 टॉप खिलाडिय़ों की विश्व रैंकिंग में भारत के पांच खिलाड़ी हैं। भारत के डी गुकेश इस वर्ष विश्व शतरंज चैंपियनशिप के लिए चैलेंजर का दर्जा हासिल कर चुके हैं। अगले नवंबर में वे मौजूदा चैंपियन चीनी खिलाड़ी के साथ खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। कहने का तात्पर्य यह कि शतरंज ओलम्पियाड में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारत ने स्वर्ण पदक जीत लिए, तो यह कोई संयोग नहीं है। बल्कि यह विश्व शतरंज में भारत की बनी ताकत का इज़हार है। वैसे भी ऐसी सफलताओं के लिए यह अनिवार्य होता है कि संबंधित देश के पास खिलाडिय़ों की लंबी कतार हो। देश के अंदर प्रतिस्पर्धा का उंचा स्तर खिलाडिय़ों में वह आत्म–विश्वास और धार प्रदान करता है, जिससे विश्व स्तर पर वे अनुपम उपलब्धि हासिल कर सकें। ये बात भी पूरे भरोसे के साथ कही जा सकती है कि ताजा सफलता यहीं तक सीमित नहीं रहने वाली है। बल्कि आने वाले वर्षों में विश्व शतरंज में भारत का दबदबा एक आम कहानी बन सकती है।

भविष्य के लिए संधि को मंजूरी

गैर–बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के लिए संधि' को मंजूरी मिल गई है। 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए इस संधि में दुनिया को एकजुट करने की बात कही गई है। इस तरह संयुक्त राष्ट्र ने विश्व हित की अपनी इच्छा जताई है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दुनिया एकजुट होने के बजाय बंटती नजर आ रही है। जिस तरह का टकराव और कड़वाहट है, वैसा दूसरे विश्व युद्ध के बाद शायद ही कभी दिखा हो। फिर भी, कहा जा सकता है कि प्रतिकूल स्थितियों में भी आशा और प्रयास को तिलांजलि नहीं दी जानी चाहिए। इस लिहाज से संयुक्त राष्ट्र की ताजा पहल प्रशंसनीय है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेश ने 193 सदस्यों वाली महासभा को इस संधि को मंजूर करने के लिए धन्यवाद दिया। कहा कि इस संधि से जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, गैर–बराबरी और गरीबी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए देशों के एकजुट होने का रास्ता खुला है, जिससे दुनिया के आठ अरब लोगों का जीवन बेहतर बनाया जा सकता है। रविवार को शुरू हुए दो दिवसीय भविष्य के शिखर सम्मेलन' के दौरान 42 पेज की संधि को अपनाया गया। संधि को अपनाने को लेकर महासभा की बैठक की शुरुआत तक संशय बना हुआ था। स्थिति इतनी अनिश्चित थी कि महासचिव गुटेरेश ने तीन अलग–अलग भाषण तैयार किए थे– एक पारित हो जाने के लिए, एक नामंजूर हो जाने की स्थिति के लिए, और एक उस स्थिति के लिए जब परिणाम स्पष्ट न हो। अंततः उन्होंने अपना पहला भाषण दिया। यहां तक सब ठीक है। लेकिन मुद्दा है कि जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं की वजह उपभोग बढ़ाने पर आधारित अर्थव्यवस्था है, जिस पर समझौता करने के कोई देश तैयार नहीं है।

ना ही समस्या से निपटने के लिए गरीब देशों को वित्तीय मदद देने का अपना वादा धनी देशों ने निभाया है। इसी तरह गैर–बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है।

प्रोपेगंडा, दोहरापन और गैरजिम्मेदारी

शंकर शरण

हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह–तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे–तैसे चलाते हैं। विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है।

इसलिए क्योंकि भारत के नेता ही किसी देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। और हमें गप्पी गाय' की उपाधि चीनी नेता माओ ने दी थी। पड़ोसी होने के नाते विविध प्रसंगों, अनुभवों पर ही उन्होंने अपनी राय बनाई होगी। माओ के अनोखे मुहावरों का प्रायः कोई स्पष्टीकरण नहीं मिलता। उन का आशय अनुमान से ही समझना होगा।वैसे, मुहावरे के दोनों शब्द सरल हैं। उन्हें मिलाकर अर्थ कुछ यही बनता है कि हम लोग बातें बनाने वाले, परन्तु दरअसल निरीह, नासमझ, और निकम्मे हैं। हमारे नेताओं की बातों और काम में कुछ भी प्रमाणिक (ऑथेन्टिक), गंभीर (सिन्सियर), या निःस्वार्थ (डिसइन्टेरेस्टेड) नहीं रहा है, यह हमारे भी एक विद्वान ने 1952 में ही पाया था जिन की दृष्टि विशाल और पैनी थी।सो, यह दुःखद चरित्र स्वतंत्र भारत में आरंभ से बना, जो ब्रिटिश–राज के ठीक विपरीत था! ब्रिटिश शासक और अफसर यहाँ अपनी नीति, कानून और प्रशासन में कभी भी दिखावटी, भीरू या भ्रष्ट नहीं रहे थे। यह सभी भारतीय भी मानते थे। जबकि हमारे नेताओं की बातें प्रायः ऊपरी, कर्महीन, तथा उपदेशात्मक रही हैं। जिन का वास्तविक सामाजिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय हालातों से कम ही लेना–देना रहा। फलस्वरूप किसी मामले पर सही उपाय ढूँढ कर लगने, जरूरी कदम लेकर खतरे उठाने से भी उन का संबंध नहीं रहता।अप्रत्याशित या प्रत्याशित विकट घटनाओं पर भी लीपापोती करने, या शुतुरमुर्ग–सा सिर छिपा समय गुजारने की प्रवृत्ति उन में रही है। अर्थात, अपवाद छोड़ हमारे नेताओं में नीति–निर्माण और शासन की समझ तक नहीं रही है। इसी को माओ और आइजनहावर जैसे विदेशी नेताओं ने हैरत से देखा था! पहले गाँधीजी हिटलर को उपदेश लिखते थे, तो बाद में नेहरू अमेरिका को उसी के देश में लेक्चर पिलाते थे। कोई अपने धज–प्रवचनों से दूसरा जीसस' होने, तो कोई बस कबूतर उड़ा कर विश्व–शांति का मसीहा' होने का गुमान रखते थे। जबकि अपने देश–समाज की भी असलियत देखने की सूझ उन्हें न थी!

अतः उन के गप्पी गाय' होने की उपमा ठोस अनुभव, अवलोकन पर बनी थी। क्या आज भी वह गलत लगता है? हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह–तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे–तैसे चलाते हैं।

विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है। वही अनुकरण नीचे तक अनुयायी करते हैं। सोशल मीडिया में भी इस के अंतहीन उदाहरण रोज दिखते हैं झ परनिन्दा, शेखी, और हर विषय पर इन्सटैंट ज्ञान। यह सब हम ने कहाँ से सीखा? अपने नेताओं से। वे ही संपूर्ण वाद–विवाद, तैश–तुर्शी को निर्देशित करते हैं।भारत में राष्ट्रीय विमर्श सदैव नेताओं द्वारा प्रवर्तित व नियंत्रित रहा है। समाजवाद, सेक्यूलरवाद से लेकर जातिगणना, और कण–कण में छीन–झपट के आरक्षण की सारी बातें व गतिविधियाँ सदैव ऊपर से चली हैं। विवेकशील, कर्मठ और न्यायपरक अधिकारियों का स्थान अंग्रेजी राज के साथ ही जाता रहा था। चाटुकार, अवसरवादी और भ्रष्टाचारी लगभग फौरन छा गये थे।अतः स्वतंत्र भारत का इतिहास माओ के अवलोकन की पुष्टि ही करता है। गाँधीजी के खलीफत भाषणों, एक वर्ष में स्वराज ले लेंगे' से लेकर, मैंने सेना को कह दिया है कि चीनियों को सीमा से बाहर फेंक दें', और आज के अच्छे दिन आ गये' जैसे दावों में समान तत्व क्या है?बड़बोलापन; गंभीर मामलों पर भी नासमझी का प्रदर्शन; समस्या को ठीक–ठीक जानने से भी बेपरवाह बस मन की तरंग से आसान हल देने की नीम–हकीमी; ठोकर खाकर भी अनुभव से कुछ न सीखना; अपनी करनी के कुपरिणाम की जिम्मेदारी न लेना; सच्ची समीक्षा न करना न करने देना; नेतृत्व में अपनी ताउम्र अपरिहार्यता मान कर चलना; देश–विदेश के दबंग शत्रुओं से नजर बचाना; उन पर बोलने से भी कतराना; तथा, इन तमाम आदतों से हो रही राष्ट्रीय हानियों पर पर्दा डालना।यदि उक्त आकलन सही हो, तो हम ने अपने को गप्पी गाय' से भिन्न क्या दिखाया? अभी देश में एक संगठन अपने को दुनिया का सब से बड़ा बताता है।

द कश्मीर फाइल्स के बाद विवेक अग्निहोत्री की द दिल्ली फाइल्स करेगी डबल धमाका, पहला पोस्टर भी आया सामने

फिल्म मेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री हमेशा अपनी फिल्मों के जरिए सुर्खियां बटोरने के लिए जाने जाते हैं। वो अपनी फिल्मों के जरिए विवादित मुद्दों को उठाते हैं और हलचल पैदा कर देते हैं। द ताशकंद फाइल्स, द कश्मीर फाइल्स और द वैक्सीन वॉर जैसी सफल फिल्में बनाने के बाद, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म मेकर अपनी अगली फिल्म द दिल्ली फाइल्स के साथ एक और दिलचस्प कहानी कहने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म ने अपने अनाउंसमेंट के बाद से ही खबरों में जगह बनाई हुई है। इसके अलावा फिल्ममेकर ने इसे अनोखा बनाने के लिए

अपनी टीम के साथ मिलकर एक लंबी और गहन रिसर्च की है। अग्निहोत्री ने इस फिल्म के लिए प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल के साथ फिर से हाथ मिलाया है, जिन्होंने द कश्मीर फाइल्स की मेकिंग में अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को काफी तारीफ मिली थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा परफॉर्म किया था। अब मेकर्स ने फिल्म द दिल्ली फाइल्स की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है, जो दो पार्ट्स में बनाई जाएगी। ऐसे में उन्होंने खुलासा किया है कि द दिल्ली फाइल्स – द बंगाल चैप्टर 15 अगस्त, 2025 को रिलीज होगी। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया पर द दिल्ली फाइल्स – द बंगाल चैप्टर का एक दिलचस्प पोस्टर साझा करते हुए इसकी रिलीज की तारीख की घोषणा की है।

दिवांशी ने जीता दूसरा स्वर्ण, महिला 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में भारत का क्लीन स्वीप

नई दिल्ली, पिस्टल निशानेबाज दिवांशी ने लीमा में चल रही अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) जूनियर विश्व चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में महिलाओं की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में दूसरा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता, जिससे भारत ने इस स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया। जूनियर निशानेबाजों ने दो स्वर्ण सहित पांच और पदक अपने खाते में जोड़े। सूरज शर्मा ने जूनियर पुरुष स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता, जबकि मुकेश नेलावल्ली, जिनके पास पहले से ही इस प्रतियोगिता में चार स्वर्ण पदक हैं, को इस स्पर्धा में कांस्य पदक मिला। दिवांशी ने जूनियर महिला स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में 600 में से 564 अंक हासिल किए, जिससे वह टीम की साथी परीशा गुप्ता से आगे रही, जिन्होंने 559 अंक हासिल किए।

शंघाई मास्टर्स: अल्काराज ने शांग को हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया

शंघाई, बीजिंग फाइनल में जानिक सिनर पर अपनी रोमांचक जीत के कुछ ही दिनों बाद, कालीस अल्काराज़ ने शंघाई मास्टर्स में अपना दबदबा जारी रखा और दूसरे दौर में चीन के उभरते सितारे शांग जुनचेंग को 6–2, 6–2 से आसानी से हरा दिया। अल्काराज़, जो अपने 18 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी से तीन साल बड़े हैं, ने स्वीकार किया कि एटीपी टूर पर खुद से कम उम्र के किसी खिलाड़ी का सामना करना असामान्य लगा। मैच के बाद अल्काराज़ ने कहा, मुझे अपने से कम उम्र के खिलाडिय़ों के खिलाफ खेलने की आदत नहीं है। वह हाल ही में अच्छा टेनिस खेल रहा है, उसने अपना पहला एटीपी (चेंगदू में खिताब) जीता है, इसलिए मुझे पूरा यकीन है कि वह रैंकिंग में ऊपर जाएगा। मैं इस तरह के मैच जीतने में सक्षम होने से खुश हूं।

शुरुआत से ही, अल्काराज़ ने शंघाई के दर्शकों के सामने शानदार खेल दिखाया, पहले नौ अंक जीतकर मैच की शुरुआत की और तुरंत ही शांग की सर्विस तोड़ दी। स्पैनियार्ड के आक्रमक नेट प्ले और शक्तिशाली रिटर्न ने उनके प्रतिद्वंद्वी को पूरे समय बैकफुट पर रखा। अल्काराज़ ने सात में से चार ब्रेक पॉइंट को बदला और अपने सभी सात नेट एप्रोच जीते।

मैच का एक मुख्य आकर्षण दूसरे सेट की शुरुआत में आया जब अल्काराज़ ने पीछे हटने के लिए मजबूर होने के बाद एक शानदार बैकवर्ड फ्लिक किया और एक अंक बचाया। उन्होंने उस रैली को जीत लिया और मैच में अपने सामने आए एकमात्र ब्रेक पॉइंट को बचाकर अपनी 3–1 की बढ़त बनाए रखी। शांग, जो स्पष्ट रूप से मात खा रहे थे, लेकिन अच्छे मूड में थे, अल्काराज़ के धमाकेदार रिटर्न के बाद केवल मुस्कुराए, जिससे तीसरे सीड के लिए एक और गेम पक्का हो गया।

मौनी रॉय ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान पहना अतरंगी ड्रेस

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने लंदन फैशन वीक के दौरान की फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनके आउटफिट को देखकर लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है। यूजर्स उनके इस ड्रेस की तुलना बोरे से करने लगे हैं।

एक्ट्रेस मौनी रॉय अपने स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। एक्ट्रेस भले ही इ

एक नजर

संस्कृत छात्र प्रतियोगिता 15 से

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार की ओर से राजकीय इंटर कॉलेज पौड़ी में 15 और 16 अक्तूबर को ब्लॉक स्तरीय संस्कृत छात्र प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के संयोजक रामेश्वर प्रसाद डोबरियाल ने बताया कि प्रतियोगिता कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में संस्कृत नाटक, गान, नृत्य, वाद-विवाद, श्लोकोच्चारण और आशुभाषण आयोजित किए जाएंगे।

सीता जन्म का दृश्य रहा आकर्षक का केंद्र

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : रामलीला के दूसरे दिन शुक्रवार की देर रात तक रामलीला का मंचन किया गया। दूसरे दिन की रामलीला गणेश रक्षा स्तोत्रम जय गणेश जय गणेश जय गणेश पहिमाम से शुरू हुई। भाव नृत्य में आयुषी नेगी के बेहतरीन नृत्य की दर्शकों द्वारा सराहना की गई। राजा जनक से प्रजा द्वारा हल चलाने के अनुरोध पर हल चलाते हुए हल के फल का जमीन पर टकराकर सीता जन्म का दृश्य बड़ा सजीव और आकर्षक रहा। राक्षसों द्वारा विश्वामित्र का यज्ञ भंग, विश्वमित्र का दशरथ से राम लक्ष्मण को मांगना, ताड़का वध और भगवान राम द्वारा अहिल्या तारण तक की लीला मंचित की गई। जनक की भूमिका अशुतोष नैथानी के सशक्त अभिनय ने मंचन को यादगार बना दिया। ताड़का के लिए नीरज के अभिनय को दर्शको ने काफी सराहा। इस अवसर पर गणेश रावत, मनवीर रावत, सीताराम पोखरियाल आदि शामिल रहे।

नरसिंहानंद पर कार्रवाई को ज्ञापन भेजा

देहरादून। जमीयत उलेमा–ए–हिंद की जिला देहरादून की कार्यकारिणी की ओर से शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन भेजा गया। उन्होंने महंत यती नरसिंहानंद सरस्वती के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। कहा कि वह राष्ट्रीय अखंडता और एकता के लिए गंभीर खतरा है। आपत्तिजनक वीडियो को सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से हटाने की मांग उठाई। जिलाध्यक्ष मौलाना अब्दुल मन्नान, महासचिव कारी आबिद, शहर मुफ्ती सलीम अहमद कासमी, प्रदेश सचिव खुर्शीद अहमद, जिला कोषाध्यक्ष मास्टर अब्दुल सत्तार, प्रदेश प्रवक्ता हाफिज शाहनजर, मौलाना रागिब मजाहिरी आदि रहे।

मलिन बस्तियों के नियमितिकरण को लगातार लटका रही भाजपा

देहरादून। कांग्रेस ने शनिवार को देहरादून के इंदिरापुरम में जनसंवाद कार्यक्रम किया। इसमें कांग्रेस नेताओं ने मलिन बस्तियों के नियमितिकरण का मामला उठाया। आरोप लगाया कि भाजपा बस्तियों को सिर्फ वोट बैंक के लिए प्रयोग करती रही है। वह मलिन बस्तियों के मुद्दे पर गंभीर नहीं है। यही वजह है कि आज तक इन बस्तियों का नियमितिकरण नहीं हो पाया है।

जबरन गाड़ी चलाने की जिद पड़ी भारी

● डेरियाखाल–रिखणीखाल मोटर मार्ग पर ग्राम नौगांव के समीप हुआ था हादसा

डेरियाखाल–रिखणीखाल मोटर मार्ग पर ग्राम नौगांव के समीप हुई दुर्घटना की जांच करने पहुंची एसएसपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लैंसडौन क्षेत्र के डेरियाखाल-रिखणीखाल मोटर मार्ग पर ग्राम नौगांव के समीप हुए हादसे में बड़ी बात सामने आई है। बारात में शामिल युवक द्वारा जबरन गाड़ी चलाने की जिद ने तीन जिंदगियों को लील लिया। जबकि, उक्त सड़क कच्ची है और काफी संकरी भी है। इस मार्ग पर यातायात भी बंद था।

मालूम हो कि शुक्रवार देर शाम लैंसडौन क्षेत्र के डेरियाखाल-रिखणीखाल मोटरमार्ग पर ग्राम नौगांव के समीप बरातियों से भरा मैक्स वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा था। हादसे में तीन बरातियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गए। घायलों को कोटद्वार के बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर हालत देखते हुए तीन घायलों की देहरादून रेफर कर दिया है। वाहन में एक बच्चे समेत 14 लोग सवार थे। दुर्घटना का कारण वाहन का ओवरलोड होना और सड़क का संकरी होना बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बरात में शामिल युवक ने जबरन गाड़ी चलाने की जिद की थी। चालक को ड्राइविंग सीट से हटाकर वह खुद वाहन चला रहा था। करीब डेढ़ किमी. चलने पर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में गुनियाल गांव निवासी मुकेश, कलालघाटी निवासी नूतन गुसांई और धीरज सिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, शनिवार को हादसे के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच शुरू कर दी।

यह है पूरा मामला

कोटद्वार से लगभग 60 किलोमीटर दूर जयहरीखाल ब्लाक की ग्राम सभा ल्वींठा के गुनियाल गांव से एक बरात रिखणीखाल ब्लाक के ग्राम बसड़ा गई थी। शाम करीब साढ़े छह बजे बरात दुल्हन को लेकर लौट रही थी। बरात में शामिल एक मैक्स डेरियाखाल से करीब 21 किलोमीटर पहले अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। नौगांव और सिसल्डी के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े और राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया। दुर्घटना में गुनियाल गांव निवासी मुकेश, कलालघाटी निवासी नूतन गुसांई और धीरज सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को 108 सेवा सहित अन्य वाहनों से कोटद्वार बेस चिकित्सालय भेजा।

राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में विस अध्यक्ष का विरोध करते ग्रामीण

विस अध्यक्ष का किया विरोध

शुक्रवार रात घायलों का हाल जानने राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंची विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का कहना था कि ग्रामीण पर्वतीय क्षेत्रों में सड़के बदहाल स्थिति में पड़ी हुई है। जिस कारण सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। वहीं, अस्पतालों की स्थति भी बदहाल पड़ी है। कई अस्पतालों में चिकित्सक तक नहीं है। ऐसे में दुर्घटना में घायल लोगों की जान बचाना भी मुश्किल हो रहा है।

घायलों के नाम

घायलों में अद्वैत रावत, आयुष नेगी, सुरती देवी, नरेंद्र सिंह, सरदार सिंह नेगी, शिव नंदन, कल्याण सिंह, दिनेश चंद, प्रीति रावत, दीप्ती रावत शामिल हैं।

गंभीर रूप से घायल सरदार सिंह, नरेंद्र सिंह और कल्याण सिंह को देहरादून रेफर किया गया है।

विद्यार्थियों का मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति के लिए हुआ चयन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय इंटर कालेज जयदेवपुर सिगड्डी व श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज दिउला पौखाल के विद्यार्थियों का मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना के लिए चयन हुआ है। छात्रों की सफलता पर अभिभावकों व शिक्षकों ने खुशी व्यक्त की है।

श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज दिउला पौखाल के छात्र सूर्यांश कुमार, प्रिंस रावत, शौर्य चंदोला, सचिन, अंकुश नेगी, आदित्य बिष्ट व छात्रा अनिति और श्रेया का चयन मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना के लिए हुआ है। वहीं, राजकीय इंटर कालेज जयदेवपुर सिगड्डी के कक्षा नौ और कक्षा छह के कुल आठ छात्रों का चयन मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन परीक्षा योजना के लिए हुआ है। प्रधानाचार्य शोबेंद्र जोशी ने बताया है कि आठ अगस्त को संपन्न हुई मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति परीक्षा मे उनके विद्यालय से कुल 29 छात्रों ने परीक्षा दी थी।

परीक्षा में ज्योति, बबिता, प्रतिभा, निकिता, करण, पियूष, कृष्णा रमोला व जतिन का चयन हुआ है।

श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज दिउला पौखाल में चयनित छात्र

काश्तकारों ने किया प्रगतिशील काश्तकार की बागवानी का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जहरीखाल के काश्तकारों ने भाबर क्षेत्र के अंतर्गत पश्चिमी झंडीचौड़ निवासी प्रगतिशील काश्तकार राजेंद्र सिंह की उद्यान नर्सरी का निरीक्षण किया। इस दौरान काश्तकारों ने बेहतर खेती के तरीके भी सीखे। शनिवार को कृषि विभाग सतपुली की बीएसए इंदु गोदियाल के नेतृत्व में काश्तकारों ने कृषक राजेंद्र सिंह चौहान की नर्सरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान काश्तकारों ने मछली तालाब, सब्जी की नर्सरी के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

निवर्तमान पार्षद सुखपाल शाह ने बताया कि राजेंद्र सिंह चौहान खेती-बाड़ी कर मौसमी साग सब्जी जैसे फूल गोभी, बंद गोभी, शिमला मिर्च, टमाटर, हाइब्रिड टमाटर, प्याज, बैंगन आदि सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं। कहा कि राजेंद्र सिंह चौहान युवाओं के लिए एक मिशाल है। बेहतर खेती के लिए उन्हें पूर्व में उन्हें कई सम्मान भी मिल चुके हैं। इस मौके पर ब्लाक दुगड्डा के बीटीएम शशि मोहन बिंजुला, अभय कुमार टमटा, पंडित चंद्र मोहन, हरि सिंह रावत, लव किशोर शर्मा, नयन सिंह बिष्ट, नैन सिंह, पुष्पा देवी शाह, रामस्वरूप, कुंवर सिंह, लक्ष्मी देवी आदि मौजूद रहे।

सामान्य ज्ञान में प्रियांशु ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : राजकीय महाविद्यालय सतपुली में सिविल एवं स्वयं वन प्रभाग पौड़ी के सतपुली रेंज द्वारा वन्य जीव सुरक्षा सप्ताह के तहत वन्य एवं वन्यजीवों पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रियांशु बिष्ट बीएससी प्रथम वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता पुष्पेंद्र राणा ने वन्य जीव एवं पर्यावरण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। कहा कि इसके लिए लोगों का जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन समय-समय पर होना चाहिए। इस अवसर पर आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रियांशु बिष्ट बीएससी प्रथम वर्ष पहले, कंचन बीए प्रथम वर्ष एवं शिवम नेगी बीएससी प्रथम वर्ष दूसरे, सिमरन बीएससी तृतीय वर्ष, विवेक विद्यार्थी बीएससी पंचम सेमेस्ट, राघव मायावती बीएससी प्रथम वर्ष तीसरे स्थान पर रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर संजय कुमा, वन विभाग सतपुली रेंज के वन आरक्षी अशोक कुमार, श्रीमती बबीता देवी सहित डॉ. दीप्ति महेश्वरी, डॉ. किशोरी लाल, डॉ. वीर सिंह सहित छात्र मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन आरक्षी अशोक कुमार ने किया।

शिक्षक कंडारी के निधन पर जताया शोक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : 55 वर्षीय शिक्षक कमलेश कंडारी के असामयिक निधन पर क्षेत्र के लोगों ने शोक प्रकट किया है। कमलेश कंडारी राजकीय प्राथमिक विद्यालय चैड़ाडांडा में प्रधानाध्यापक के रूप में कार्यरत होने के साथ ही राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ नैनीडांडा के ब्लाक अध्यक्ष भी थे। उनके निधन पर विधायक लैंसडौन दिलीप रावत, कांग्रेस नेता धीरेंद्र प्रताप, ब्लॉक प्रमुख प्रशांत कुमार, ज्येष्ठ उप प्रमुख ललित पटवाल, कनिष्ठ उप प्रमुख रेखा देवी, शशि कुमार ध्यानी, रघुबीर सिंह बिष्ट, सत्यपाल सिंह, देवेंद्र भारती, एमडी रावत, मुन्नी ध्यानी, सुरेंद्र बिष्ट, सुरेंद्र प्रताप, राकेश ध्यानी, मनोज खर्कवाल, दीपक रावत, हरीश रावत, अर्जुन पटवाल, मदन सिंह, सुरेंद्र सिंह आदि ने शोक व्यक्त किया है।

कलश यात्रा के साथ राम कथा शुरू

आदिशक्ति मां भुवनेश्वरी मंदिर में राम कथा सुनते हुए भक्त।

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : आदिशक्ति मां भुवनेश्वरी मंदिर में कलश यात्रा के साथ राम कथा शुरू हो गई है। आदि शक्ति मां भुवनेश्वरी मंदिर विकास मिशन की ओर से राम कथा का आयोजन किया जा रहा है।

शुक्रवार को कथा के शुभारंभ अवसर पर भक्तों ने बिलखेत चौक से आदिशक्ति मां भुवनेश्वरी मंदिर तक कलश यात्रा निकाली। कथा के पहले दिन कथा वाचक सुधीर थपलियाल ने तुलसीदास के जीवन का परिचय एवं रामायण पुराण की रचना का महत्व और देवी-देवताओं के बारे में बताया। यह कथा 11 अक्टूबर तक चलेगी। प्रत्येक दिन आदि शक्ति मां भुवनेश्वरी मंदिर विकास मिशन के द्वारा भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मंदिर मिशन के अध्यक्ष मदन सिंह रावत, महामंत्री सोम नैथानी, कोषाध्यक्ष आलोक नैथानी, पूर्व महामंत्री भारत भूषण नैथानी, राजेंद्र रावत, मीडिया प्रभारी पुष्पेंद्र राणा, नितिन कैथोला, पूजा समिति के कैलाश थलेडी सहित भक्त मौजूद रहे।

काली पट्टी बांधकर काम कर रहे कर्मचारी

विभिन्न मांगों को लेकर जारी रहा प्रयोगशाला संवर्ग कर्मियों का आंदोलन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रदेश के प्रयोगशाला सहायको का पांच पदीय पदोन्नति ढांचा स्टाफिंग पैटर्न के आधार पर पुनर्गठित करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रयोगशाला संवर्ग कर्मियों का आंदोलन जारी रहा। कर्मियों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर अपना कार्य किया।

प्रयोगशाला संवर्ग कार्मिकों का ग्रेड वेतन चौबीस सौ का संशोधन कर इसे वर्ष 2006 से लागू करने, प्रदेश के प्रयोगशाला सहायको का पांच पदीय पदोन्नति ढांचा स्टाफिंग पैटर्न के आधार पर पुनर्गठित करने, प्रयोगशाला सहायकों की शैक्षिक योग्यता बढ़ाने व ग्रेड पे को उच्चीकरण/संशोधित करने की मांग को लेकर प्रयोगशाला संवर्ग कर्मी आंदोलन कर रहे हैं। इसी के तहत राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी व कोटद्वार के प्रयोगशाला संवर्ग कर्मियों ने भी अपना विरोध जताया। 30 सितंबर से विरोध स्वरूप बांह पर काली पट्टी बांधकर कर्मी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कर्मियों ने बताया कि लगातार मांग उठाने के बाद भी उनकी समस्याओं पर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही। इस मौके पर बलवंत सिंह नेगी, भारत सिंह बिष्ट, डा. किशोर कुमार, आशीष कुमार आदि मौजूद रहे।

अपनी मांगों के निराकरण की मांग उठाते कर्मी

जंगली जानवरों को आबादी में आने से रोके वन विभाग

प्रभागीय वनाधिकारी को ज्ञापन देते यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आबादी क्षेत्र में लगातार बढ़ रही जंगली जानवरों की धमक पर यूथ कांग्रेस ने नाराजगी व्यक्त की है। कार्यकर्ताओं ने वन विभाग से जानवरों को आबादी में आने से रोकने के लिए योजना बनाने की मांग की है। कहा कि जंगली जानवरों के कारण आमजन का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल होता जा रहा है।

शनिवार को यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजय रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्रभागीय वनाधिकारी, लैंसडौन वनप्रभाग के कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने प्रभागीय वनाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत आने वाले कई वार्डों में विगत पिछले लंबे समय से गुलदार एवं तेंदुए दिखने से लोगों में दहशत है। दोनों जानवर शिवपुर, दुर्गापुरी और सिताबपुर में कुछ दिन पहले नजर आए थे, इस कारण आम जन में दहशत का माहौल बना हुआ है। कांग्रेसियों ने गुलदार और तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में धीरेंद्र सिंह बिष्ट, साबर सिंह नेगी, सुदर्शन रावत, राजीव कपूर, प्रीति देवी, नीरज बहुगुणा, प्रमोद रावत, मनीष चातुरी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष हिमांशु बहुखंडी, वर्तमान छात्र संघ अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल, मानशेर सिंह सैनी सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

पीएम श्री विद्यालयों में चीनी भाषा की मिलेगी शिक्षा

श्रीनगर गढ़वाल : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चड़ीगांव के तत्वावधान में आयोजित वेबीनार में शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 11 पीएम श्री विद्यालयों में विदेशी भाषा कार्यक्रम के अंतर्गत चीनी भाषा शिक्षण अधिगम कार्य योजना का शुभारंभ हुआ।

बतौर मुख्य अतिथि दून विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने कहा कि इन 11 शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए समय–समय पर ऑफलाइन कार्यशाला आयोजित करेंगे। कार्यक्रम में जिलाधिकारी पौड़ी डा. आशीष चौहान ने दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल से बच्चों का इंटर एक्सचेंज प्रोग्राम के प्रस्ताव के साथ-साथ स्कूली शिक्षकों के चीनी भाषा शिक्षण की कार्य योजना के लिए मार्गदर्शन करने का अनुरोध किया। जिसमें उन्होंने प्रशासनिक व वित्तीय संसाधनों की किसी भी कमी को न होने देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कार्यक्रम की गंभीरता को लेते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्यों को कार्यक्रम दूरगामी व छात्रोंन्मुखी होने के चलते इसे गंभीरता से लिया जाने को कहा। दून विवि के चीनी भाषा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैकी चन्द्रा ने चीनी भाषा सीखने से छात्र एवं देश हित में होने वाली जानकारियां साझा की। उन्होंने कहा कि इस भाषा से जहां राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी, साथ ही छात्रों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड-पौड़ी

पत्रांक 1151 /दो-लेखा/निविदा सूचना/2024-25 दिनांक 05/10/2024

''अल्पकालीन निविदा सूचना''

उत्तराखण्ड राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्न निर्माण कार्यों की मुहरबन्द निविदा अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग प्रखण्ड-पौड़ी द्वारा दिनांक 22.10.2024 के अपरान्ह 11.30 बजे तक ग्रामीण निर्माण विभाग के प्रखण्ड-पौड़ी में आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन इंगित निविदा अपराह्न 12:00 बजे को अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्रों का विक्रय दिनांक 07.10.2024 से दिनांक 21.10.2024 को सांय 4.00 बजे तक प्रखण्ड-पौड़ी में किया जायेगा, किन्ही अपरिहार्य कारणों से निर्धारित तिथि को अवकाश हो जाने पर मुहरबन्द निविदा अगले कार्य दिवस को प्राप्त/खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	विकास खण्ड	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों की श्रेणी
1	जनपद पौड़ीगढ़वाल के विधान सभा क्षेत्र श्रीनगर (गढ़वाल) के अन्तर्गत वि0ख0 थलीसैण में राजकीय इण्टर कालेज टीला का मरम्मत/ अनुरक्षण इत्यादि कार्य।	थलीसैण	15.92	48000.00	2000.00 +GST 18%	09 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई''/ उच्च
2	जनपद पौड़ीगढ़वाल के विधान सभा क्षेत्र श्रीनगर (गढ़वाल) के अन्तर्गत वि0ख0 थलीसैण में राजकीय इण्टर कालेज चाकीसैण का मरम्मत /अनुरक्षण इत्यादि कार्य।	थलीसैण	24.15	72500.00	2500.00 +GST 18%	09 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई''/ उच्च

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण निर्माण विभाग,
प्रखण्ड पौड़ी।
(0482/67)

रामलीला में सीता स्वयंवर का हुआ मंचन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रामलीला कमेटी दुगड्डा की ओर से दुगड्डा में आयोजित रामलीला में शुक्रवार शाम को सीता स्वयंवर का मंचन किया गया। रामलीला का आरंभ क्षेपंस सुनीता कोटनाला ने किया।

इसके बाद साई बाबा की झांकी निकाली गई। फिर रामलीला के अंतर्गत मुनि विश्वमित्र का राम लक्ष्मण को लेकर जनकपुरी पहुंचना, राजा जनक द्वारा उनका आदर कर विश्रामगृह में ठहराना, राजा जनक का सीता स्वयंवर रचाना और स्वयंवर में राजाओं का पहुंचना, राजाओं के धनुष तोड़ने पर असफल रहने पर राजा जनक की व्याकुलता, रावण-बाणासुर संवाद, मुनि विश्वमित्र के कहने पर राम का धनुष तोड़ना, सीता का वरमाला डालना, जनक दरबार में परशुराम का आवेश में प्रवेश होना से लेकर परशुराम लक्ष्मण संवाद तक की लीला का मंचन किया गया। इस दौरान पात्रों ने अपने अभिनय से दर्शकों को देर रात तक बांधे रखा। लीला मंचन में रामलीला कमेटी अध्यक्ष प्रदीप बडोला, संदीप कोटनाला, सन्नी राजपूत, नरेंद्र शहनाई, वीरेंद्र शाह, संदीप नेगी और अनूप गुप्ता ने भी सहयोग दिया।

रामलीला में मंचन करते कलाकार

एक नजर

कार्रवाई को लेकर उठाए सवाल

देहरादून। गोल्डमैन डिसलरी देहरादून के आकाश अग्रवाल ने आबकारी विभाग पर निरीक्षण के नाम पर फैक्ट्री के ताले तोड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए कहा कि बिना किसी लिखित आदेश के फैक्ट्री के ताले तोड़ने के बाद दो ताले लगाकर इसे सील किया गया। उन्होंने इस मामले की जांच करवाकर नियम के तहत कार्रवाई की मांग की है। जिला आबकारी अधिकारी कैलाश चंद्र बिंजोला ने बताया कि डीएम और आबकारी सचिव के निर्देश पर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में फैक्ट्री का निरीक्षण किया गया। फैक्ट्री संचालक को मौके पर बुलाया गया था। लेकिन वह नहीं आया।

सेंट थॉमस और टचवुड स्कूल जीते

देहरादून। द हेरिटेज स्कूल में आयोजित रोहिताश सिंह मेमोरियल अंतर विद्यालय सुपर एट क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को सेंट थॉमस कालेज और टचवुड स्कूल ने जीत दर्ज की। पहला मैच सेंट थॉमस कालेज और सेंट ज्यूड्स स्कूल के मध्य खेला गया। सेंट ज्यूड्स ने पहली पारी में तीन विकेट के नुकसान पर 37 रन बनाए, जबकि सेंट थॉमस ने पांच विकेट के नुकसान पर 34 रन का स्कोर खड़ा किया। दूसरी पारी में सेंट ज्यूड्स ने पांच विकेट के नुकसान पर 34 रन बनाए, सेंट थॉमस स्कूल ने छह विकेट से जीत दर्ज की। दूसरे मैच में दून ब्लॉसम स्कूल ने पहली पारी में पांच विकेट के नुकसान पर 16 रन बनाए। टचवुड स्कूल ने एक विकेट के नुकसान पर 33 रन बनाए। दूसरी पारी में दून ब्लॉसम स्कूल ने चार विकेट के नुकसान पर 12 रन का स्कोर खड़ा किया। जबकि ट्चवुड स्कूल ने यह मैच एक पारी और पांच रन से जीत लिया।

साइबर हमले की सीबीआई जांच हो

ऋषिकेश। युवा कांग्रेस के प्रदेश संगठन महसचिव अधिवक्ता अभिनव सिंह मलिक ने कहा कि उत्तराण्ड में हुए साइबर अटैक मामले की सीबीआई जांच की मांग की। कहा कि सरकार का डिजिटल उत्तराखंड का दावा फेल हो गया है। युवा कांग्रेस के प्रदेश संगठन महसचिव अभिनव सिंह मलिक ने कहा कि साइबर अटैक के चलते सरकारी कामकाम पिछले चार दिनों से ठप्प पड़े हुए है। राज्य में सरकारी कामकाज पूरी तरह अवरूद्व हो रहे है। आईटीडीए के डेरा सेंटर से होस्ट होनी वाली सभी 186 एप्लिशन और वेबसाइट बन्द हैं, जिसमें मुख्यमंत्री हेल्पलाईन पर दर्ज होने वाली शिकायतों के साथ सचिवालय में भी ई–फाईलिंग का भी काम पूरी तरह अवरूद्व हुआ हैं। पर्यटन विभाग सहित जनता के अपुणी पोर्टल के तहत बनने वाले जरूरी प्रमाण पत्र भी पिछले 04 दिन से नही बन पा रहे हैं। जिससे पूरा सरकारी डाटा सामाप्त भी हो सकता हैं। इन्होंने कहा साइबर हमला कर किसी भी नेटवर्क कंप्यूटर सिस्टम या डिजिटल डिवाइस तक अनाधिकृत पहुंच के माध्यम से डेटा एप्लिकेशन या अन्य परिसंपत्तियों को चुराने, उजागर करने, बदलने, अक्षम करने या नष्ट करने का जानबूझकर किया गया प्रयास है। इस तरह से साइबर हमलावर महत्वपूर्ण डाटा को चुराने का काम कर रहे हैं। उक्त साइबर हमले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। मौके पर प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस ऋषभ राणा, अधिवक्ता नवीन रतूड़ी, अधिवक्ता अमित बिरला, अधिवक्ता आरती मित्तल, गौरव भारती, अंकुश प्रकाश, मयंक पाल आदि उपस्थित रहे।

दुग्ध संघ में 30 लाख की अनियमितता में डेयरी सहायक निदेशक निलंबित

हल्द्वानी।नैनीताल–लालकुआं दुग्धसंघ के तत्कालीन जीएम और वर्तमान में डेयरी विकास विभाग के सहायक निदेशक निर्भय नारायण सिंह को शासन के निर्देश पर निलंबित कर दिया गया है।

उन पर 2023 में लालकुआं दुग्धसंघ के कार्यों में 30,04,480 रुपये की वित्तीय अनियमितता का आरोप है। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत और डेयरी विकास विभाग के सहायक निदेश-ाक लीलाधर की जांच में आरोप सही साबित हुए। शासन ने उन्हें दोषी मानते हुए शनिवार को यह कार्रवाई की है। सचिव डॉ. बीबीआरसी पुरुषोत्तम के निर्देश पर निलंबन को तत्काल लागू कर दिया गया है। ध्यान रहे 7 मई 2024 में कुमाऊं कमिश्नर की जांच के बाद निर्भय नारायण सिंह जीएम पद से हटा दिया गया था। सहायक निदेशक निर्भय नारायण सिंह चर्चा में तब आए जब साल 2023 में एक आरटीआई कार्यकर्ता ने आरटीआई के माध्यम से जानकारी लेकर शासन में साक्ष्यों के साथ शिकायत की।

क्विज में राइंकॉ पाली लंगूर रहा पहले स्थान पर

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान (माध्यमिक स्तर) की विज्ञान क्विज प्रतियोगिता बीआरसी कीर्तिखाल, विकासखंड द्वारीखाल के सभागार में शनिवार को आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विकासखंड के 21 हाईस्कूल व इंटरमीडिएट कॉलेजों के 63 बच्चों ने प्रतिभाग किया। क्विज प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज पाली लंगूर ने प्रथम, राजकीय इंटर कॉलेज कैण्डुलठागंर ने द्वितीय व अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज देवीखेत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता टीमों को खंड शिक्षा अधिकारी ने ट्राफी व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

क्विज प्रतियोगिता के विजेता को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र सिंह नेगी, क्विज समन्वयक राकेश नेगी, राजीव रावत, ब्लॉक समन्वयक श्रीमती मानवी कोटनाला, ब्लॉक विज्ञान समन्वयक महेन्द्र सिंह राणा, सह समन्वयक श्रीमती रश्मि रावत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र सिंह नेगी ने बच्चों व समाज में विज्ञान के प्रति रूचि बढ़ाने हेतु इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन पर जोर दिया। उन्होंने प्रत्येक विद्यालय में प्रतियोगिता आयोजित करने को कहा। राजीव रावत व राकेश नेगी ने प्रतियोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। क्विज प्रतियोगिता पांच चरणों में सम्पन्न हुई। प्रथम चरण में स्क्रीनिंग परीक्षा में सफल 6 टीमों ने अगले राउण्ड वस्तुनिष्ठ प्रश्नोतरी, श्रव्य-दृश्य, रैपिड फायर व बजर राउण्ड में प्रतिभाग किया। निर्णायक के रूप में गब्बर सिंह बिष्ट राजकीय इंटर कॉलेज सतपुली, ज्ञानेन्द्र सिंह रावत रा.इ.का.अमोला व सुभाष बलूनी रा.उ.मा.वि.पुल्यासु तथा स्कोरिंग बोर्ड पर भारत सिंह नेगी अ.उ.रा.इंटर कॉलेज देवीखेत, राजेश भारद्वाज रा.इ.का.द्वारीखाल व प्रीतम बिष्ट रा.उ.मा.वि.बुरांसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस मौके पर शिक्षक दीपक नेगी, श्रीमती शीला ध्यानी, सुषामा नैनवाल, जसवीर सिंह, हरिओम, प्रेम प्रकाश, अर्जुन सिंह, अमित नेगी, अशोक हटवाल आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र सिंह राणा, नवीन असवाल, नीरज पथिक ने किया।

61 हजार 195 किसानों को मिली पीएम किसान सम्मान निधि

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी की गई। जनपद पौड़ी गढ़वाल के 61 हजार 195 किसानों के खातों में 2-2 हजार की कुल 12 करोड़ 23 लाख 90 हजार राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई।

कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी की बात को सुनते हुए विद्यार्थी और लाभार्थी किसान।

मुख्य कृषि अधिकारी डा. विकेश कुमार यादव ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा हर वर्ष 06 हजार की धनराशि दी जाती है। बताया कि जनपद के विभिन्न विकासखंड़ों में वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभाविंत हुए किसानों ने प्रधानमंत्री की बात को सुना। बताया कि इस योजना का उद्देश्य सभी भूमिधर किसान परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करके उनकी आय में वृद्धि करना और कृषि क्षेत्र को मजबूत करना है। केंद्र सरकार ने 2019 में ऐसे किसानों को आर्थिक लाभ देने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना शुरू की है। सरकार की इस योजना के तहत किसानों को हर वर्ष 6 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है और यह धनराशि 2-2हजार की तीन किस्तों में देती है। वहीं मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत विकासखंड यमकेश्वर व अपर कृषि निदेशक डॉ. परमाराम भटसैरा में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कांग्रेस सत्ता में आई तो चतुर्थ श्रेणी के पद बहाल होंगे : गोदियाल

देहरादून। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी यदि राज्य की सत्ता में आई तो सभी विभागों में चतुर्थ श्रेणी के पद बहाल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उच्च स्तर पर अधिकारियों के पद बढ़ाने की बजाए निचले स्तर के कर्मचारियों के पद बढ़ाए जाने चाहिए। शनिवार को गणेश गोदियाल यमुना कॉलोनी स्थित लोक निर्माण विभाग के मुख्यालय में आउटसोर्स कर्मचारियों के आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी मांगे जायज हैं और सरकार को यह मांगे तत्काल पूरी करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार बड़े पद बढ़ाकर छोटे पदों को समाप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि मै इस पक्ष में कतई नहीं हूं कि छोटे पद कम किए जाएं। उन्होंने कहा कि बड़े पद बढ़ाए जाने से सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। जबकि एक बड़ा पद बढ़ाने की बजाए निचले स्तर के कई पद बढ़ाए जाने चाहिए ताकि कई लोगों का फायदा हो। उन्होंने विभागों में ठेकेदारी से कर्मचारियों की नियुक्ति को गलत बताते हुए कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो राज्य में चतुर्थ श्रेणी के पद बहाल किए जाएंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों को चुनावों के दौरान जाति, धर्म की बजाए मैरिट के आधार पर वोट करने चाहिए। ताकि सरकार आम लोगों की पीड़ा को समझ सके। कर्मचारियों को संबोधित करने के बाद गोदियाल ने कर्मचारियों के प्रतिनिधि मंडल की विभाग के एचओडी डीके यादव से वार्ता भी कराई। लेकिन दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन पाई। इस अवसर पर आउटसोर्स कर्मचारी संघ के अध्यक्ष जयेंद्र सिंह, ममता देवी, भावना देवी, सूरजी देवी, शकुंतला देवी, पुष्पा देवी, सुरेंद्र नाथ, संजय लाल, मोहित रावत और गिरधारी लाल भी मौजूद रहे।

विंटर सनसेट फेस्टिवल का आयोजन किया जाए

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शहर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति ने विंटर सनसेट फेस्टिवल आयोजित किए जाने की मांग की है। इस संबंध में समिति के पदाधिकारियों ने शनिवार को डीएम को ज्ञापन सौंपा है। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले वर्ष शहर में पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बीते दिनों विभिन्न सामाजिक संगठनों, समितियों, समूहों, सांस्कृतिक दलों के साथ बैठक कर शहर में विंटर सनसेट फेस्टिवल आयोजित करने पर सहमति बनी, लेकिन प्रशासन का सहयोग नही मिलने के चलते यह आयोजन नही हो पाया। कहा कि तीन महीने बाद शीत ऋतु शुरूहो जाएगी। जिसमें विंटर सनसेट फेस्टिवल का आयोजन किया जाए। डीएम को दिए गए ज्ञापन में समिति के अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत, सचिव गबर सिंह ने कहा कि उन्होंने विंटर सनसेट फेस्टिवल का आयोजन करवाते हुए फेस्टिवल के तहत पेशेवर और शोकिया चित्रकारों द्वारा स्थल पर चित्रकारी, फोटोग्राफरों द्वारा फोटोग्राफी, क्षेत्रीय दलों के सांस्कृति कार्यक्रम, तैयार फोटो और पेंटिंग्स की प्रदर्शनी, स्थानीय खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी, स्थानीय शिक्षण संस्थानों और क्लबों के बीच फुटबाल व अन्य क्रीड़ा प्रतियोगिताएं, छोटे बच्चों से संबंधित प्रतियोगितात्मक व मनोरंजक कार्यक्रम किए जाने चाहिए।

क्विज में आदर्श और रौनक रहे अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : गढ़वाल वन प्रभाग पौड़ी की पश्चिमी अमेली वन रेंज दमदेवल तथा सिविल सोयम नौगांवखाल की संयुक्त पहल पर पब्लिक इण्टर कालेज सुरखेत में वन्य जीव सप्ताह के अन्तर्गत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में आदर्श और सीनियर वर्ग में रौनक ने प्रथम स्थान हासिल किया।

पब्लिक इण्टर कालेज सुरखेत में आयोजित गोष्ठी में जानकारी देते हुए वनकर्मी।

शनिवार को आयोजित क्विज प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में आदर्श, कनिष्का कैंथोला, गौरी, सीनियर वर्ग में रौनक, अंकित नेगी और सुमित सिंह ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। वन्य जीव सप्ताह के तहत आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि वन्य जीव-जन्तुओं और पेड़-पौधों की सुरक्षा, विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण तथा धरती की जैव विविधता को बचाए रखने के लिए प्रत्येक वर्ष 01 से 07 अक्टूबर तक वन्य जीव सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। पश्चिमी अमेली वन रेंज दमदेवल के वन वीट अधिकारी गौरव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मानव, पर्यावरण और वन्य जीव एक दूसरे से किसी न किसी रूप में जुड़े होते हैं। वन और वन्य जीवों को भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में रखा गया है। वर्ष 1927 में भारतीय वन अधिनियम अस्तित्व में आया, जिसके प्रावधानों के अनुसार वन्य जीवों का शिकार और वनों की अवैध कटाई को दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है। इस अवसर पर सिविल सोयम के वन दरोगा महावीर सिंह गुसांई, वन वीट अधिकारी दर्शन सिंह, सौरभ, विनोद पूरी, अमेली वन रेंज के वन वीट अधिकारी सुशील राही, गौरव कुमार, रोहित नेगी, पदमेन्द्र सिंह, हरेन्द्र गुसांई के साथ ही विद्यालय के शिक्षक प्रमोद कुमार रमोला, डॉ. रामेन्द्र भंडारी, प्रकाश चन्द्र कैंथोला, नीरज रमोला, प्रमोद रावत, कार्यालय कार्मिक मनवर सिंह चौहान, प्रेम सिंह, यशपाल रमोला, नरेन्द्र राणा, सतेन्द्र सिंह, आदि मौजूद रहे।

द्यूसा और तिमली गांव मॉडल गांव के रूप में होगें विकसित : सीडीओ

मुख्य विकास अधिकारी ने किया विकासखंड द्वारीखाल के द्यूसा व तिमली गांव का भ्रमण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने शनिवार को विकासखण्ड द्वारीखाल के द्यूसा और तिमली गांव का भ्रमण किया गया। उन्होंने इन गांवों में विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना।

मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि द्यूसा और तिमली गांवों में ग्रामीणों द्वारा विभिन्न विभागीय योजनाओं के सहयोग से लघु स्तर पर स्वरोजगार बढ़ाने तथा पलायन को रोकने के लिए कार्य किये जा रहे हैं। इन गावों में स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार व आजीविका को बढ़ाने वाले कार्यों को विभिन्न विभागों तथा योजनाओं के माध्यम से इन्टीग्रेटेड अप्रोच में बड़े स्तर पर करने की कार्य योजना तैयार इन दोनों गांवों को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने हेतु कार्य किया जायेगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने गांव में मनेरगा के माध्यम से बंजर भूमि में कैमामॉइल तथा लेमन ग्रास उत्पादन कार्य को देखा गया। उन्होंने लेमनग्रास के उत्पादन को बढ़ाने के लिए और बंजर भूमि पर इस वर्ष पौध रोपण के निर्देश दिये। खण्ड विकास अधिकारी ने बताया कि इस गांव में लगभग 20 नाली भूमि में ग्रामीणों द्वारा लेमनग्रास उत्पादन का कार्य किया जा रहा है और गांव में लेमनग्रास से तेल निकालने की मशीन भी उपलब्ध कराई गई है। जिससे किसानों द्वारा लेमनग्रास तेल निकालकर उसे एक हजार तीन सौ प्रति कलो की दर से विक्रय किया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने उसके बाद गांव में किसानों द्वारा सामुहिक रूप से की जा रही बेमौसमी सब्जी उत्पादन क्षेत्र का भ्रमण भी किया। उन्होंने किसानों से सब्जी उत्पादन को बढ़ाने को कहा और किसानों की मांग के अनुसार उद्यान व कृषि विभाग को किसानों को पॉलीहाउस, उन्नत किस्त के बीज और जियो लाइन सिचाई टैंक उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इसके साथ ही सब्जी उत्पादन प्रक्षेत्र की फैसिंग हेतु कृषि विभाग को प्रस्ताव तैयार करने को कहा। भ्रमण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी के साथ परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. विवेक कुमार उपाध्याय, जिला परियोजना प्रबंधक रीप कुलदीप बिष्ट, खण्ड विकास अधिकारी द्वारीखाल रवि कुमार सैनी सहित समस्त विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

अफसर ग्रामीणों की समस्याओं का तत्काल निराकरण करें

मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने पंचायत भवन द्यूसा में ग्रामीणों और समस्त रेखीय विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें बिजली, पानी, सिंचाई, पेंशन, मनरेगा, पशुपालन, उद्यान, कृषि, रीप, एन. आर.एल.एम सहित सभी योजनाओं से गांव में किये गये कार्यों व उनसे संबंधित ग्रामीणों की समस्याओं को सुना।

उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने को कहा। उन्होंने गांव में डेयरी, मुर्गी पालन, सगन्ध पौध उत्पादन, बेमौसमी सब्जी उत्पादन, खाद्य एवं फल प्रसंस्करण तथा सोलर प्रोजेक्ट आदि पर चर्चा कर विभागों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। उसके बाद मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम तिमली का भ्रमण किया। जहां पर गांव के युवा व कोविडकाल में वापस आये रिटर्नी माइग्रेंट आशीष डबराल के साथ मिलकर किसान उत्पादक संगठन बनाकर 1982 में स्थापित तिमली संस्कृत विद्यापीठ को पुर्नजीवित करने के साथ ही गांव में योगा, वेलनेस सेंटर मेडिटेशन, नेचुरल फार्मिंग, सामूहिक सब्जी उत्पादन, कीवी उत्पादन, पुष्प उत्पादन तथा सगन्ध पौध उत्पादन का कार्य किया जा रहा है।

डाक सेवकों के पदों पर मूल निवासियों को मिले वरीयता

देहरादून। उत्तराखंड के डाकघरों में ग्रामीण डाक सेवकों के ज्यादातर पदों बाहरी राज्यों के युवाओं के पदों का चयन और फर्जी प्रमाण पत्र मामला सामने आने के बाद उत्तराखंड के विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों से जुड़े लोगों में आक्रोश है। लोग सोशल मीडिया समेत तमाम मंचों पर इसका विरोध कर रहे हैं और सरकार से डाक सेवकों की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव कर इसमें उत्तराखंड के मूल निवासियों को वरीयता देने की मांग कर रहे हैं। उत्तराखंड परिमंडल में डाक विभाग की सात डिविजन हैं। 2016 तक ग्रामीण डाक सेवकों की भर्ती डिविजन स्तर पर होती थी। तब बाहरी राज्यों के तो दूर डिविजन से बाहर के अभ्यर्थी भी इसमें आवेदन कर पाते थे। लेकिन इसके बाद भर्ती प्रक्रिया में बदलाव कर अखिल भारतीय स्तर पर होने लगी। तब से डाक सेवकों के ज्यादातर पदों पर बाहरी राज्यों के युवाओं का चयन हो रहा है। ऐसे युवाओं का भी चयन हो रहा है, जिनको हिंदी बोलना और लिखना तक नहीं आ रहा है। हिसाब–किताब करना और स्थानीय बोली–भाषा को समझना तो उनके लिए दूर की बात है। पहाड़ की विषम भौगोलिक परिस्थितयां भी उनके लिए चुनौती बन जा रही है, जिसका खामियाजा स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ रहा है। बाहरी राज्यों के अभ्यर्थी फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर भी नौकरी पा रहे है। डाक विभाग 2023 में 36 ऐसे अभ्यर्थियों को पकड़ चुका है, जिनके दसवीं के प्रमाण पत्र फर्जी थे। इस बार भी छह अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र फर्जी मिलने पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

बन्नू बिरादरी बन्नू स्कूल और युवा संघ रेंजर्स ग्राउंड में करेगी रावण दहन

देहरादून। शहर में पिछले 77 साल से दशहरा का आयोजन करती आ रही बन्नू बिरादरी इस बार दो धड़ों में बंटकर दशहरा उत्सव का आयोजन करने जा रही है। मूल संस्था बन्नू बिरादरी का आयोजन जहां बन्नू स्कूल रेसकोर्स में होना निश्चित हुआ है, वहीं बन्नू बिरादरी बाल युवा संघ रेंजर्स गाउंड में रावण का पुतला दहन करेगी एवं शोभायात्रा निकालेगी। बन्नू बिरादरी के दोनों आयोजन को लेकर अलग–अलग बैठक हुई। हालांकि दोनों ही पक्षों ने आपस में किसी प्रकार के मतभेद या विवाद से इंकार किया है। हालांकि वह ये साफ नहीं कर पाए कि जब कोई विवाद नहीं तो अलग अलग आयोजन की नौबत क्यों आई। बन्नू बिरादरी के अध्यक्ष हरीश विरमानी ने कहा कि दून में वर्षों पहले सिर्फ बन्नू बिरादरी ही रावण दहन का कार्यक्रम करती थी। अब अनेक संस्थाएं ऐसा आयोजन कर रही हैं। जो लोग रेंजर्स ग्राउंड में रावण दहन का आयोजन कर रहे हैं वह भी उनकी कार्यकारिणी में शामिल हैं, उन्हे भी प्रेसवार्ता में बुलाया गया था, लेकिन वह क्यों नहीं आए, इसकी उन्हें जानकारी नहीं। वहीं बन्नू बिरादरी दशहरा कमेटी बाल युवा संघ के मनोनीत अध्यक्ष संतोष नागपाल ने कहा कि मुख्य आयोजन परेड ग्राउंड में होना था, लेकिन ग्राउंड न मिलने पर वह आयोजन से दूर होना चाहते थे, परंतु अपनी युवा टीम के उत्साह एवं आग्रह पर वह रेंजर्स में इस आयोजन को कर रहे हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नासिक में लोको निरीक्षकों से की मुलाकात

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : केंद्रीय रेल, सूचना और प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नासिक स्थित भारतीय रेलवे विद्युत अभियांत्रिकी संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे मुख्य लोको निरीक्षकों से बातचीत की। अपनी यात्रा के दौरान मंत्री ने रेलवे के परिचालन को आधुनिक बनाने और सुरक्षा उपायों को बढ़ाने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

श्री वैष्णव ने लोको निरीक्षकों से उनके प्रशिक्षण अनुभव के बारे में जाना, विशेषकर ह्यकवचह्न प्रणाली के उपयोग पर, जो कि भारतीय रेलवे का स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है। लोको निरीक्षकों ने बताया कि ह्यकवचह्न प्रणाली से ट्रेन संचालन में गति बनाए रखने और सुरक्षा एवं समयबद्धता में सुधार लाने में काफी मदद मिलती है। बातचीत में आधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम, नए लोकोमोटिव तकनीक और चालक दल प्रबंधन के नए तरीकों पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने लोको चालकों के कामकाज की स्थिति में सुधार के प्रयासों की सराहना की, जिसमें 100 प्रतिशत वातानुकूलित रनिंग रूम और लोको निरीक्षकों के लिए बेहतर सुविधाओं की शुरुआत शामिल है। उन्होंने ड्यूटी घंटों को कम करने, ड्यूटी रोस्टर में बदलाव, और लोकोमोटिव में वातानुकूलन, शौचालय और आरामदायक सीटों जैसी सुविधाओं का भी जिक्र किया। श्री वैष्णव ने लोको निरीक्षकों को सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने और फील्ड स्टाफ के सुझावों को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण मॉड्यूल पर जोर दिया। भोपाल मंडल के सीएलआई एस.के. राठी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि ह्लस्टेशन मास्टर की सुरक्षा के लिए इंटरलॉकिंग, ट्रैकमैन के लिए पीएससी स्लीपर ट्रैक और लोको पायलट के लिए ह्यकवचह्न एक क्रांतिकारी कदम है।ह्व एक अन्य उछकने कहा कि ह्यकवचह्न ने न केवल ट्रेन संचालन को सुरक्षित बनाया है, बल्कि लोको पायलट्स की ड्यूटी को भी सुरक्षित कर उनके परिवारों को खुश रखा है। ह्यकवचह्न (सिग्नल पासिंग एट डेंजर) की घटनाओं को रोकने और लेवल क्रॉसिंग गेट्स पर सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने लोको निरीक्षकों को आधुनिक तकनीकों का पूरा लाभ उठाने और निरंतर सीखने, समर्पण और प्रतिबद्धता के महत्व पर जोर दिया, जिससे भारतीय रेलवे के उच्च मानकों को बनाए रखा जा सके। अपनी नासिक यात्रा के दौरान, वैष्णव ने शिरडी साईं बाबा मंदिर में जाकर भारतीय रेलवे और उसके समर्पित कर्मचारियों की प्रगति और सुरक्षा के लिए आशीर्वाद भी मांगा।

प्रशासन की संयुक्त टीम ने होटलों और दुकानों में की छापेमारी, मचा हड़कंप

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देशों के क्रम में शनिवार को जिला अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा पौड़ी अजब सिंह रावत के नेतृत्व में राजस्व प्रशासन व खाद्य सुरक्षा प्रशासन की संयुक्त टीम ने थलीसैण, सैंजी व चपलोडी में स्थित खाद्यान प्रतिष्ठानों, होटलों व दुकानों में छापेमारी की।

जिला अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा पौड़ी अजब सिंह रावत नें बताया कि उनकी टीम ने थलीसैण में ढेड़ दर्जन खाद्यान प्रतिष्ठानों तथा सैजीं व चपलोडी में लगभग आधे दर्जन खाद्यान प्रतिष्ठानों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए वहां पर उपलब्ध खाद्य सामग्री के सैंपल लिए तथा सैनिटेशन (साफ सफाई) की व्यवस्था का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने थलीसैण से विभिन्न खाद्यान प्रतिष्ठानों से लड्डू, सरसों का तेल, खुली मिर्च, रसगुल्ले व चीनी गट्टे के सैंपल लिए।

उन्होंने व्यापारियों को ऑनलाइन पोर्टल के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इस पोर्टल के माध्यम से सभी व्यापारी ऑनलाइन माध्यम से अपनी दुकानों के लिए लाइसेंस खाद्य सुरक्षा विभाग से बना सकते हैं। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों को सीसीटीवी लगाने व एक्सपाइरी प्रोडक्ट न बेचने के निर्देश दिए। एक्सपायरी प्रोडक्ट के लिए उन्होंने दुकानदरों से कहा कि वे इस तरह के प्रोडक्टो के लिए एक अलग से काउन्टर बनवाकर उस पर ''नोट फोर सेल एण्ड नोट फोर यूज'' अंकित करें। जिन दुकानदारों में लाइसेंस नहीं हैं वे ऑनलाइन माध्यम से लाइसेंस बनवा लें अन्यथा भविष्य में किसी भी खाद्य प्रतिष्ठान में आकस्मिक निरीक्षण होने पर खाद्य प्रतिष्ठान स्वामी में खाद्य पंजीकरण न पाये जाने की स्थिति में खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006, नियम विनियम 2011 के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही करने की चेतावनी दी। उन्होंने ग्राहको के अधिकरो के लिए टोल फ्री नम्बर 18001804246 के बारे जानकारी दी। इस टोल फ्री नम्बर नम्बर के माध्यम से कोई भी ग्राहक व्यापारी द्वारा एक्सपायरी प्रोडक्ट बेचने पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। निरीक्षण में जिला अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा पौड़ी अजब सिंह रावत, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रचना लाल, प्रभारी तहसीलदार आनन्द पाल आदि उपस्थित थे।

डीएम ने पोखरी में की जनसुनवाई, मौके पर किया समस्याओं का निराकरण

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को विकासखंड पोखरी सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने स्थानीय लोगों की शिकायत और समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकतर शिकायतों का मौके पर निराकरण किया। विभागीय स्तर की समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए जिलाधिकारी ने संबधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जनसुनवाई में क्षेत्रीय विधायक लखपत बुटोला भी मौजूद थे।

जनसुनवाई में स्थानीय लोगों ने पेयजल, सड़क, शिक्षा, विद्युत, पेंशन, आवास, आर्थिक सहायता आदि से जुड़ी 86 समस्याएं रखी। पोखरी-कर्णप्रयाग सडक़ कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने और ठेकेदार द्वारा काम न करने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने लोनिवि को तत्काल सडक सुधारीकरण का काम शुरू करने के निर्देश दिए। जनहित से जुड़ी नौली-धोतीधार सडक निर्माण हेतु एक सप्ताह में जियोलॉजिकल सर्वे कराने को कहा। ताली-कमसारी सड़क आरटीओ पास न होने और बरसात में सडक बंद होने से गैस आपूर्ति बाधित होने की समस्या पर लोनिवि और पूर्ति अधिकारी को शीघ्र समस्या का समाधान करने को कहा। डीएम ने आली-जिलासू मोटर मार्ग पर भूस्खलन क्षेत्र का ट्रीटमेंट न होने से क्षेत्र की जनता को आवागमन में हो रही परेशानी पर एसडीएम और अधिशासी अभियंता को संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222